RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●02 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 334 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

सीएम अरविंद केजरीवाल 15 अप्रैल तक तिहाड़ जेल भेजे गए

= बैरक में अकेले रहेंगे = ईडी बोली- दिल्ली सीएम ने बताया कि विजय नायर आतिशी-सौरभ को रिपोर्ट करता था

ये जो कर रहे हैं, ये ठीक नहीं है : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की शराब आबकारी नीति केस में सोमवार को सीएम अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए तिहाड़ जेल भेज दिया गया। वे जेल नंबर 2 में अकेले रहेंगे। 21 मार्च से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े दो मामलों पर राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी ने दावा किया कि केजरीवाल ने पूछताछ में बताया कि आतिशी और सौरभ भारद्वाज को विजय नायर रिपोर्ट करता था। ईडी ने कहा कि केजरीवाल हमें सहयोग नहीं कर रहे हैं। वे हमें गुमराह कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने पूछा कि ज्यूडिशियल कस्टडी के लिए ये दलीलें कितनी सही हैं?

एएसजी राजू ने कहा कि केजरीवाल अपने फोन का पासवर्ड नहीं शेयर कर रहे हैं। हम बाद में इनकी ईडी कस्टडी की मांग करेंगे। ये हमारा अधिकार है। इसके बाद कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। केजरीवाल के वकील रमेश गुप्ता ने कोर्ट से कहा- अरविंद केजरीवाल को जेल में 3 किताबें दी जाएं- गीता, रामायण और नीरजा चौधरी की बुक हाऊ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड।

दूसरा मामला केजरीवाल के जेल से सरकारी आदेश के खिलाफ था। सुरजीत सिंह यादव ने पीआईएल दाखिल कर जेल से सरकारी आदेश

= जेल में अरविंद टीवी देख सकेंगे, हफ्ते में दो बार लोगों से मिलेंगे

अरविंद तिहाड़ में टीवी देख सकेंगे। हफ्ते में 2 बार उन लोगों से मिलने की इजाजत है जिनके नाम पहले से लिखे हैं। उनकी पत्नी और लॉयर अब तक उनसे मिलने गए हैं।

अरविंद डायबिटिक हैं। इसीलिए उनके पास बिस्किट और कुछ ऐसा हल्का फुल्का नाश्ता रखा रहता है ताकि वो 2-3 घंटे में खाते रहें। उनकी डायट में उनके डायबिटिक होने का ध्यान रखा गया।

= भाजपा का मकसद चुनाव में केजरीवाल को जेल में रखना

अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि भाजपा का मकसद चुनाव के दौरान केजरीवाल को जेल में रखना है। उनसे 11 दिन पूछताछ की गई, पूछताछ पूरी हो गई। कोर्ट ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया। फिर उन्हें जेल में क्यो रखा जा रहा है?

संक्षिप्त समाचार

चीन ने अरुणाचल की 30 जगहों के नाम बदले

= 7 साल में चौथी बार ऐसा किया; अरुणाचल को फिर अपना हिस्सा बताया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए हैं। चीन की सिविल अफेयर मिनिस्ट्री ने इसकी जानकारी दी।

हांगकांग मीडिया हाउस साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इनमें से 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और

एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता है। हालांकि, इन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ है जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदला हो। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया था। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे।

मार्च में 1.78 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन

= सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत बढ़ा आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च में जीएसटी कलेक्शन में 11 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मार्च में सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 20.14 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के वित्तीय वर्ष के लिए सकल जीएसटी संग्रह 20.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.7 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए औसत मासिक सकल संग्रह 1.68 लाख करोड़ रहा, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 1.5 लाख करोड़ से अधिक है।

मार्च 2024 के लिए सकल वस्तु और सेवा कर जीएसटी राजस्व सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.78 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह जीएसटी संग्रह का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जिस मेयर के फैन राहुल-प्रियंका हैं उसने भाजपा ज्वॉइन की

कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके ने छोड़ी कांग्रेस

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व सीएम कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में कांग्रेस को लगातार झटके लग रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने जिस छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके की तारीफ की थी, उन्होंने सोमवार को भाजपा ज्वॉइन कर ली। विक्रम ने भोपाल में सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष भाजपा की सदस्यता ली। उनके साथ सभापति प्रमोद शर्मा ने भी पार्टी बदल ली। इससे पहले अमरवाड़ा विधायक कमलेश प्रताप शाह ने कांग्रेस छोड़ी थी।

सीएम डॉ. मोहन से विक्रम की मुलाकात रविवार सुबह हुई थी। इसमें प्रदेश और छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। साथ ही विभिन्न कर्मचारी वर्गों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा हुई, जिस पर मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि लोकसभा चुनाव के बाद विस्तार पूर्वक चर्चा कर कर्मचारी हित में निर्णय लिए जाएंगे।

अब छिंदवाड़ा में भी कमल का फूल खिलेगा -भाजपा जॉइन करने के बाद विक्रम ने कहा- देश-प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। अब छिंदवाड़ा में भी कमल का फूल खिलेगा।

3786 वोट से जीते थे विक्रम अहाके- छिंदवाड़ा नगर निगम में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी विक्रम अहाके ने 3786 वोटों से जीत हासिल की थी। उन्होंने भाजपा के अनंत धुर्वे को हराया था। 34 वर्षीय विक्रम पेशे से किसान हैं। वे ग्रेजुएट हैं। पिता भी पेशे से किसान हैं और मां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। वे जिला कांग्रेस कमेटी में प्रवक्ता के साथ कई दूसरे पदों पर रह चुके हैं। दो साल पहले छिंदवाड़ा नगर निगम चुनाव हुए थे। कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम अहाके के चुनाव जीतने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ उन्हें अपने साथ हेलिकॉप्टर से भोपाल लाए थे।

मध्यप्रदेश में 1 अप्रैल से नई आबकारी व्यवस्था लागू

दुकानों-गोदामों में शराब स्टाक की एंट्री नहीं तो आज राजसात होगी सिक्योरिटी डिपाजिट

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में एक अप्रैल से नई आबकारी नीति लागू हो गई है। शराब के दामों में 15 फीसदी की वृद्धि के साथ आबकारी आयुक्त ने हर दुकान के स्टाक की जानकारी जिला अधिकारियों से मांगी है। इसको लेकर जारी निर्देश में कहा है कि अगर किसी दुकान का स्टाक वेरिफाई नहीं पाया तो इसके लिए विभाग के अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

साथ ही यह भी कहा है कि शराब दुकान का नवीनीकरण हुआ हो या नहीं, शराब दुकान और गोदाम का स्टाक ई-आबकारी पोर्टल पर अपडेट करना जरूरी होगा। जिलों को जारी निर्देश में आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा है कि सभी शराब दुकानों के लाइसेंस धारकों द्वारा शराब दुकान और उससे संबंधित गोदाम के शेष स्टाक को लेवल वार एंट्री किया जाकर ई-आबकारी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। यह काम एक अप्रैल को ही पूरा किया जाना है।

जिन दुकानों का नवीनीकरण नहीं हुआ है उनकी आईडी पर भी स्टाक की एंट्री का विकल्प एक अप्रैल को उपलब्ध रहेगा। इसके अंतर्गत 2023-24 के सभी शराब दुकान लाइसेंस धारकों को पूरी करनी है, भले ही लाइसेंस धारक ने 2024-25 के लिए भी नवीनीकरण करा लिया है या दुकान किसी और को आवंटित कर दी गई है।

1 अप्रैल को ही होगा वेरिफिकेशन- कमिश्नर ने जिला कार्यालयों को यह भी निर्देश दिए हैं कि कर्मचारियों और अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर शराब दुकानों में भेजकर स्टाक एंट्री का वेरिफिकेशन एक अप्रैल को ही कराया जाना है। यह भी कहा है कि एक शराब दुकान से दूसरी शराब दुकान तक शराब के स्टाक का परिवहन भी परमिट के बाद ही किया जा सकेगा। अगर किसी जिले में शराब दुकानों के स्टाक की एंट्री को लेकर किसी तरह की गड़बड़ पाई जाएगी तो इसके लिए जिला अधिकारी और सहायक अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

2 अप्रैल को राजसात होगी सिक्योरिटी डिपाजिट- आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा है कि इसकी एंट्री नहीं किए जाने पर शेष स्टाक के निराकरण या हस्तांतरण की प्रोसेस में गड़बड़ी होगी, इसलिए सभी सर्किल प्रभारी की यह जिम्मेदारी होगी कि अपने प्रभार क्षेत्र में सभी शराब दुकानों की एंट्री आज हर हाल में करा दें। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो संबंधित लाइसेंस धारक द्वारा जमा की गई सिक्योरिटी की राशि को 2 अप्रैल को राजसात कर लिया जाएगा।

इसके लिए विभाग अलग से कोई नोटिस जारी नहीं करेगा। इतना ही नहीं आबकारी आयुक्त ने लाइसेंस धारक द्वारा की गई एंट्री का वेरिफिकेशन करने के लिए भी जिला कार्यालयों को निर्देश दिए हैं। एक अप्रैल को रहने वाले स्टाक के आधार पर वर्ष 2024-25 के लिए ड्यूटी के अंतर की राशि का पेमेंट लाइसेंस धारक से कराया जाएगा।

पीएम मोदी बोले

2014 में बैंकिंग सिस्टम डूबने की कगार पर था

= अब ये प्रॉफिट में, पिछले 10 साल में जो हुआ वो तो सिर्फ ट्रेलर है

= 90 रुपए का स्मारक सिक्का लॉन्च किया

मुंबई (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) आज अपनी 90वीं एनिवर्सरी मना रहा है। इस मौके पर मुंबई में आयोजित स्मृति समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, साल 2014 में भारत का पूरा बैंकिंग सेक्टर समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। आज ये बैंकिंग सिस्टम प्रॉफिट में हैं।

पीएम ने ये भी कहा कि हमें देखना होगा कि अलग-अलग सेक्टर्स को फाइनेंशियली सपोर्ट करने के लिए हमारी क्या तैयारी है?

= **शपथ लेने के दूसरे दिन ही झमाझम काम आने वाला है-** पीएम मोदी ने कहा- 21वीं सदी में इनोवेशन का बहुत महत्व रहने वाला है। इसलिए हमने अंतरिम बजट में इनोवेशन के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का रिसर्च फंड बनाया है। 'कटिंग एज टेक्नोलॉजी' पर जो प्रपोजल आएंगे, जो लोग इस क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, हम उनके लिए कैसे प्रीपेयर हों, ये सोचना बहुत आवश्यक है। और आरबीआई को अभी से सोचना चाहिए कि वो कैसे उनकी मदद करेगा। इसी तरह स्पेस सेक्टर ओपन हो रहा है, इसमें नए-नए स्टार्टअप आ रहे हैं। भारत में एक सबसे बड़ा क्षेत्र पूरी ताकत के साथ आ रहा है, वो है टूरिज्म सेक्टर। हमें देखना होगा कि इन्हें फाइनेंशियली सपोर्ट करने के लिए हमारी क्या तैयारी है?

= **आज भारत का बैंकिंग सिस्टम एक मजबूत और टिकाऊ प्रणाली-** प्रधानमंत्री ने कहा- मैं जब 2014 में रिजर्व बैंक के 80 वें वर्ष के कार्यक्रम में आया था, तब हालात एकदम अलग थे। भारत का पूरा बैंकिंग सेक्टर समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। एनपीए को लेकर भारत के बैंकिंग सिस्टम की स्थिरता और उसके भविष्य को लेकर हर कोई आशंका से भरा हुआ था। हालात इतनी खराब थी कि देश के पब्लिक सेक्टर बैंक देश की आर्थिक प्रगति को जरूरी गति नहीं दे पा रहे थे। हम सभी ने वहां से शुरुआत की और आज भारत के बैंकिंग सिस्टम को दुनिया में एक मजबूत और टिकाऊ प्रणाली माना जा रहा है। जो बैंकिंग सिस्टम कभी डूबने की कगार पर था, वो बैंकिंग सिस्टम अब प्रॉफिट में आ गया है।

कांग्रेस से 3500 करोड़ रुपए की टैक्स डिमांड

= सुप्रीम कोर्ट में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा- लोकसभा चुनाव तक कोई एक्शन नहीं लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (1 अप्रैल) को कांग्रेस के 3500 करोड़ की टैक्स डिमांड के खिलाफ याचिका पर सुनवाई की। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर विभाग कांग्रेस के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लेगा। हम चुनाव के दौरान किसी भी पार्टी के लिए परेशानी खड़ी नहीं करना चाहते। मामले की सुनवाई जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में हुई। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की दलील के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केस की अगली सुनवाई जुलाई के लिए तय कर दी है। बेंच ने यह भी कहा कि 3500 करोड़ रुपए की मांग का इन अपीलों से कोई संबंध नहीं।

कांग्रेस को 29 मार्च को आयकर विभाग से पहला नोटिस मिला था। जिसमें करीब 1823 करोड़ रुपए की डिमांड की गई। यह डिमांड नोटिस 2017-18 से 2020-21 के लिए है। इसमें जुर्माने के साथ ब्याज भी शामिल हैं।

1 अप्रैल इंदौर नगर निगम का ऐतिहासिक दिन

● 4 प्रतिशत महंगाई भत्ते के साथ वेतन व पेंशन का किया भुगतान

● माह की प्रथम तारीख पर वेतन व पेंशन बड़े हुए महंगाई भत्ते के साथ मिलने पर कर्मचारियों में हर्ष एवं खुशी

● *निगम के इतिहास में पहली बार 1 तारीख को मिला वेतन* ● *14967 कर्मचारी व 3899 पेंशनर को लगभग 32 करोड़ का वेतन व पेंशन का हुआ भुगतान*

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा विगत दिनो आदेश जारी कर निगम के समस्त अधिकारी, कर्मचारी व सफाई मित्र, विनियमित कर्मचारी, विनियमित सफाई मित्र, मस्टर कर्मचारी तथा पेंशनरों को माह की दिनांक 1 तारीख को वेतन भुगतान करने के निर्देश दिये गये थे। आयुक्त वर्मा के निर्देश पर निगम के समस्त अधिकारी, नियमित कर्मचारी व सफाई मित्रों व पेंशनरों को शासन आदेशानुसार 4 प्रतिशत महंगाई भत्ते का लाभ प्रदान करते हुए, वेतन व पेंशन का भुगतान किया गया।

आयुक्त वर्मा द्वारा जारी किये गये निर्देश के क्रम में नगर निगम इंदौर में लगभग 14967 कार्यरत समस्त अधिकारी, नियमित कर्मचारी, नियमित सफाई मित्र, विनियमित कर्मचारी, विनियमित सफाई मित्र, मस्टर सफाई कर्मचारियों, मस्टर कर्मचारी को माह मार्च 2024 का वेतन आज दिनांक 1 अप्रैल 2024 को उनके खाते में वेतन हस्तांतरित कर दिया गया है। साथ ही 3899 पेंशनर को भी माह मार्च 2024 की पेंशन दिनांक 1 अप्रैल को पेंशनरों के खातो में जमा की चुकी है, उक्त अधिकारियों व कर्मचारियों के वेतन के साथ ही पेंशनरों के खाते में लगभग राशि रूपये 32 करोड़ का भुगतान किया गया। निगमायुक्त वर्मा के आदेशानुसार निगम के समस्त अधिकारी, नियमित कर्मचारी, सफाई मित्र व अन्य कर्मचारियों सहित पेंशनरों को माह की प्रथम तारीख को वेतन व पेंशन का भुगतान करने पर कर्मचारी व पेंशनर द्वारा मान. आयुक्त महोदय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, हर्ष व खुशी व्यक्त की गई।

यह उल्लेखनीय है कि निगम में पहले अधिकारियों व नियमित कर्मचारियों व नियमित सफाई मित्र तथा निगम पेंशनरों को माह की 7 से 10 तारीख तक वेतन व पेंशन का भुगतान किया जाता था तथा विनियमित कर्मचारी, विनियमित सफाई मित्र व अन्य मस्टर कर्मचारियों को वेतन का भुगतान माह की 15 से 20 तारीख तक भुगतान हो पाता था जिस पर आयुक्त वर्मा द्वारा अपर आयुक्त वित्त देवधर दरवई को निर्देशित करते हुए आदेश जारी किये गये थे। निगम के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों का वेतन व पेंशन माह की 1 तारीख को कर्मचारियों के खाते में अनिवार्य रूप से भुगतान किये जावे। इसके साथ ही आयुक्त वर्मा द्वारा निगम के समस्त अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख, झोनल अधिकारी को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतन पत्रक व हाजरी पत्रक लेखा शाखा में माह की 27 से 28 तारीख तक अनिवार्य रूप से भिजवाने के निर्देश भी दिये गये थे।

विदित हो कि निगमायुक्त वर्मा के निर्देश पर निगम द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के दिवस पर ही जीपीएफ राशि का भुगतान किया जा रहा है। विगत 28 मार्च 2024 को निगम सेवा से सेवानिवृत्त हुए 11 कर्मचारियों को 28 लाख के अधिक राशि के जीपीएफ राशि के चेक हाथो-हाथ वितरित किये गये थे।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 02 अप्रैल, 2024

भाजपा ने दिग्विजय सिंह और नकुलनाथ के खिलाफ कार्रवाई करने निर्वाचन आयोग से की शिकायत

● दिग्विजय सिंह पर 4 जून तक सभा करने व भाषण देने पर रोक लगाई जाए ● नकुलनाथ के खिलाफ एससीएसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को अरेरा हिल्स स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय में मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से राजगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह और छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपी गई शिकायत में कहा है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं पर अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह जानबूझकर भाजपा के नेता व कार्यकर्ताओं का अपमान कर रहे हैं तथा चुनाव के समय भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। अतः चुनाव आयोग दिग्विजय सिंह पर 4 जून 2024 तक किसी भी तरीके के मीडिया में भाषण देने व सभा करने पर रोक लगाने के आदेश जारी करे। एक अन्य शिकायत में भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह को कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी नकुलनाथ ने एक चुनावी सभा में बिकाऊ व गद्दार कह रहे हैं। अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं और यह बात नकुलनाथ पूर्व से जानते हैं। नकुलनाथ द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के एक विधायक को गद्दार व बिकाऊ कहना समस्त अनुसूचित जनजाति का अपमान है। अतः चुनाव आयोग द्वारा छिंदवाड़ा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ के खिलाफ एससीएसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में व्याप्त असंतोष से कानून-व्यवस्था की स्थिति न बन सके।

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद डॉ. समुर सिंह सोलंकी, भाजपा निर्वाचन आयोग समन्वय विभाग के प्रदेश संयोजक एस एस उप्पल, भाजपा न्यायिक व निर्वाचन विभाग के सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में शराब होगी महंगी : तीन प्रदेशों के लिए शराब नीति तय

मोहन यादव के लिए 15 हजार करोड़ का लक्ष्य

भोपाल। नए वित्त वर्ष में नई एक्साइज पॉलिसी भी लागू हो गई है। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तीनों राज्यों की सरकारों ने नए रेट जारी किए हैं। शराब ठेकेदारों को नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। 29 जनवरी को आबकारी नीति 2024 के लिए लागू की गई थी। नई नीति के अनुसार केंद्र सरकार ने 45000 करोड रुपए कमाने का लक्ष्य रखा है। मध्य प्रदेश में कितनी महंगी होगी शराब मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में शराब के दामों में ?150 से लेकर ?250 तक का इजाफा हुआ है। बियर के दाम 15त्न वृद्धि होगी। मोहन यादव सरकार में नए वित्त वर्ष में 15000 करोड़ राजस्व का टारगेट रखा है। अकेले भोपाल को 916 करोड़ का लक्ष्य मिला है।

जेपी नड्डा आज 2 अप्रैल को जबलपुर-शहडोल, 3 अप्रैल को इंदौर-उज्जैन प्रवास पर

जनसभा, बैठक एवं स्थानीय कार्यक्रमों में होंगे शामिल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी 2 अप्रैल को शहडोल एवं जबलपुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान आप जनसभा, बैठक एवं स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। जेपी नड्डा जी 2 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे से जबलपुर में शक्ति केन्द्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष, त्रिदेव सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके उपरान्त नड्डा दोपहर 2 बजे शहडोल के गांधी चौक में जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां से नड्डा जबलपुर आएंगे और शाम 5 बजे स्थानीय मानस भवन में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शाम 6.10 बजे भाजपा कार्यालय रानीताल में जबलपुर क्लस्टर कोर कमेटी की बैठक लेंगे। शाम 7.10 बजे पदमश्री डॉ. एच.सी.डाबर के निवास पहुंचकर उनसे भेंट करेंगे। 3 अप्रैल को राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा उज्जैन जाएंगे। प्रातः 10.45 बजे महाकाल मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। इसके पश्चात नड्डा दोपहर 3 बजे से इंदौर में क्लस्टर की कोर कमेटी की बैठक को संबोधित करेंगे।

सिर पर गंभीर चोट लगने से कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा हुए घायल, सभी कथाएं स्थगित

सीहोर। शिवपुराण की कथा सुनाकर लोगों महादेव की भक्ति का भाव जगाने वाले प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सिर पर चोट लगने से घायल हो गए है। आष्ठा में आयोजित महादेव की होली के दौरान रंगों के बीच फेंके गए नारियल से चोट लगने के कारण सिर में गंभीर चोट लगी है। डॉक्टर्स ने उन्हें आराम की सलाह दी है, जिसके चलते उनकी आगे की सभी कथाएं स्थगित कर दी गई है। पंडित मिश्रा ने बताया कि कथा अगले एक महीने तक कही भी नहीं होगी। वही अगले साल यह कथा आयोजित की जाएगी। जिसका सारा खर्च कुबेरेश्वर समिति सीहोर के द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्योंकि डॉक्टरों ने मना किया है जब तक डॉक्टर परमिशन नहीं देंगे जब तक हम कथा नहीं कर सकते।

कांग्रेस में शामिल होंगे पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी दिलाएंगे सदस्यता

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस को एक के बाद एक झटके लग रहे है। लगातार कांग्रेस के नेता, विधायक और महापौर समेत कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे है। पार्टी संभले उससे पहले बीजेपी कांग्रेस को एक और झटका दे देती है लेकिन इसके बीच कांग्रेस के लिए राहत भरी खबर है। पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी कांग्रेस में शामिल होंगे। उन्हें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पार्टी में शामिल करवाएंगे। 2024 लोकसभा चुनाव में यह पहली बार होगा जब कोई मध्य प्रदेश में पूर्व विधायक कांग्रेस में शामिल हो रहा होगा। 2008 में चुने गए थे तिवारी विधायक लक्ष्मण तिवारी 2008 में उमा भारती की पार्टी भारतीय जनशक्ती पार्टी से विधायक चुने गए थे। 2013 विधानसभा से पहले उमा भारती ने भारतीय जनशक्ती पार्टी का बीजेपी विलय कर लिया था जिसके बाद लक्ष्मण तिवारी को 2013 में रीवा की मऊगंज सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन कांग्रेस के उम्मीदवार सुखेन्द्र सिंह बन्ना से चुनाव हार गए। 2018 में पार्टी ने लक्ष्मण तिवारी को टिकट नहीं दिया जिसके बाद वो बीजेपी से बागी हो गए। 2018 में मऊगंज सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा जिसमें उन्हें 10 हजार के करीब वोट मिले।

कलेक्टर दुबे ने वीसी के माध्यम से की लोकसभा निर्वाचन गतिविधियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीडियो कॉफ्रेंस कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 हेतु की जा रही कार्यवाहियों को विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिले में उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल है, जहां दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। कलेक्टर श्री दुबे ने वीसी के माध्यम से उदयपुरा विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री संतोष मुग्दल से निर्वाचन कार्यवाहियों की जानकारी लेते हुए निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप कार्य सम्पादित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने सांची, सिलवानी और भोजपुर विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों से विधानसभा क्षेत्रों में सम्पादित की जा रहीं निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में नियुक्त प्रेक्षकों के आगमन के आगमन पर चर्चा करते हुए व्यवस्थाओं के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने जिले में सभी मतदान केन्द्रों में तेज गर्मी से बचाव हेतु समुचित प्रबंधक करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए शुद्ध पेयजल, छायादार बैठक व्यवस्था आदि की जाए। निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण पर चर्चा करते हुए उन्होंने मतदानकर्मियों को बीयू, सीयू को कनेक्ट करने, कार्यप्रणाली सहित आदि का प्रशिक्षण देने के साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देने के लिए कहा। कलेक्टर श्री दुबे ने फार्म 12-डी, स्वीप गतिविधियों आदि की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। वीडियो कॉफ्रेंस कक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में 20 स्व सहायता समूह कर रहे गेहूं चना की खरीदी, मिलेगा कमीशन

नर्मदापुरम, निप्र। महिला शक्ति को आगे लाने के लिए इस बार समर्थन मूल्य की खरीदी में महिलाओं को आगे किया गया है। पिछले तीन सालों में बेहतर काम करने वाले महिला स्व सहायता समूहों को चिह्नित कर उन्हें समर्थन मूल्य पर खरीदी केंद्र आवंटित किए गए हैं। खरीदी में किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए समूह की सभी सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया गया। जिले में 20 उपार्जन केंद्र महिला स्व सहायता समूहों को आवंटित किए जा रहे है।प्रदेश सरकार स्व सहायता समूह के सदस्यों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से समूहों के माध्यम से उपार्जन का कार्य कराया जा रहा है। समूह की सदस्यों द्वारा जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं एवं चना खरीदी का कार्य 20 खरीदी केंद्र समूहों को दिए गए है। इन उपार्जन केंद्रों पर महिला स्व सहायता समूह द्वारा उत्साह से खरीदी की जा रही है और खरीदी से लेकर सभी व्यवस्थाएं महिलाएं संभाल रही है। जिले में 20 गेहूं उपार्जन केंद्र एवं एक चना उपार्जन केंद्र का संचालन महिलाएं कर रही हैं। जिससे उनको गेहूं पर 27 रुपए एवं चने पर 51 रुपए प्रति क कमीशन मेहनताना प्राप्त होगा।

करीलाधाम से लौट रहे ऑटो को बस ने मारी टक्कर, हादसे में एक की मौत, 12 लोग गंभीर घायल

विदिशा, निप्र। अशोक नगर रोड पर रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार बस ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, वहीं एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए , जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, अशोकनगर रोड पर पिपरिया के पास एक सड़क हादसा हुआ है। करीलाधाम से माता के दर्शन कर श्रद्धालु ऑटो से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान पिपरिया के पास में तेज रफ्तार बस ने सामने से टक्कर मार दी। जिससे ऑटो पलट गया और उसमें सवार श्रद्धालु नीचे दब गए। हादसे के जिसमें 60 वर्षीय वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को शासकीय अस्पताल कुरबाई में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद आठ लोगों की हालत ज्यादा खराब होने पर डॉक्टरों ने विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जिनमें कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। बताया गया कि ऑटो में 13 लोग सवार थे, जिनमें से 3 लोग झांसी के है और 10 लोग पृथ्वीपुर के बताए जा रहे हैं। वही विदिशा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर मोहित मांजी ने बताया कि कुरवाई सीएससी से 8 लोग विदिशा रेफर हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है इनमें से कुछ लोग गंभीर हालत हैं।

विदिशा में बेतवा नदी के पुल पर हादसा

विदिशा, निप्र। विदिशा में सोमवार देर रात को चरण तीर्थ के बेतवा नदी के पुल पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी की दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है। चिरोल वाली माता मंदिर क्षेत्र में रहने वाले विकास परिहार किसी काम से रामलीला चौराहे जा रहे थे। इसी दौरान बेतवा के पुल पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक उनकी बाइक को से गई, जिससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दोनों ही बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों ने दोनों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक बाइक सवार की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया, जबकि एक बाइक सवार का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है। जिस बाइक ने सामने से आकर टक्कर मारी थी। उस बाइक सवार की पहचान नहीं हो सकी है।

पचमढ़ी में चोरी के संदेह में होटल कर्मचारियों की पिटाई कर्मचारियों के शरीर पर छपे पिटाई के निशान

नर्मदापुरम, निप्र। हिल-स्टेशन पचमढ़ी की होटल वुडलैंड एडवेंचर की अंगुठी चोरी होने के संदेह में 2 कर्मचारियों की पिटाई का मामला सामने आया है। थाने में लाकर कर्मचारियों से पूछताछ के दौरान पिटाई की गई। जिससे कर्मचारियों के शरीर पर चोट के निशान पर छप गए। मामले में कर्मचारियों ने पचमढ़ी थाने के प्रधान आरक्षक पर पिटाई का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत दोनों ने ऑनलाइन शिकायत पुलिस विभाग के पोर्टल पर की है।

शिकायतकर्ता सलमान खान और नवनीत गुर्जर ने बताया वो होटल वुडलैंड एडवेंचर रिसोर्ट के कर्मचारी है। उन्होंने बताया टूरिस्ट अंशु सोनी फैमिली के साथ 29 मार्च को हमारी होटल के रूम नंबर 101 में रुके हुए थे।

टूरिस्ट का कहना है कि उनकी पत्नी ने अंगूठी नहाते वक़्त बाथरूम में बाल्टी रखकर भूल गई। चाभी क्लीनिंग स्टाफ को देकर अंशु सोनी घूमने निकल गए। दोपहर में होटल रूम दोबारा आए। तब तक रूम और बाथरूम की सफाई हो चुकी थी, शाम के वक़्त जब बाल्टी में देखा तो अंगुठी नहीं थी। गेस्ट अंशु सोनी ने हम स्टाफ पर आरोप लगाया। सोनी ने थाने में अंगुठी घूमने का आवेदन दिया और होटल के कर्मचारी

सलमान खान, नवनीत सिंह, महेश कुमार जाईदा बेगम पर शंका जताई। पचमढ़ी थाने से हम लोगों अगले दिन पूछताछ के लिए बुलाया गया। प्रधानआरक्षक ने हमें शनिवार को। दो बजे दोबारा थाने बुलाया। पूछताछ के दौरान सलमान खान, नवनीत सिंह एवं हमारे सुपरवाइजर भगवानदास रजक को एक पीछे कमरे में ले जाया गया। पाइप से पिटाई कर अंगुठी के बारे में पूछा गया। जिससे शरीर पर चोट के निशान बने।

बाइक सवार किसान को कार ने मारी टक्कर-अस्पताल लाते समय मौत, बेटी को लाने ससुराल जा रहा था

बैतूल, निप्र। बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे पर बाइक सवार किसान की कार की टक्कर में मौत हो गई। उसे जिला अस्पताल लाया गया था। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पाढर झारखंड निवासी (35) सालक राम पिता मुन्ना धुर्वे अपनी बेटी को उसके ससुराल से लाने बाइक से जा रहा था। नेशनल हाईवे 47 पर नीम पानी के पास एक अज्ञात कार ने उसे पीछे से टक्कर मार दी । इस टक्कर में सालक राम नीचे गिर पड़ा। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। राहगिरों ने उसे 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि सालक राम के सिर में गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने आज उसका पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। अस्पताल पुलिस चौकी ने इस मामले की तहरीर कोतवाली थाने के जरिए पाढर पुलिस चौकी को भेज दी है। बताया जा रहा है की टक्कर मारने वाली कार महाराष्ट्र में पंजीकृत थी। जिसकी तलाश की जा रही है।

अपना घर आश्रम का अवलोकन कार्यक्रम

बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो समेत भरतपुर से आए डॉ व्ही.एम.भारद्वाज शामिल हुए

विदिशा, निप्र। पीड़ित बुजुर्गों, असहाय बेसहारों के लिए 6 महीने पहले शुरू हुए अपना घर आश्रम का आज (रविवार को) अवलोकन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार भरत अग्रवाल, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो, डॉक्टर प्रीतम बाबू शर्मा, डॉ मीना अग्रवाल एवं भरतपुर से आए डॉ.व्ही. एम.भारद्वाज, शैलेंद्र त्यागी के शामिल हुए। अपना घर आश्रम के अध्यक्ष डॉक्टर जीके माहेश्वरी ने बताया कि विट्ठल दास डांगरा ने इस पुनीत सेवा काम के लिए भवन दिया था। उस भवन में 6 महीने पहले आश्रम शुरू हो गया था। अभी तक 96 असहाय असमर्थ एवं मंदबुद्धि व्यक्तियों को सड़कों से रेस्क्यू करके लाया गया है और उनकी सेवा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर बी एम भारद्वाज ने बताया कि भारत के अलग-अलग क्षेत्र में 80 से अधिक अपना घर आश्रम संचालित हो रहे हैं। जिसमें पीड़ितों की निशुल्क सेवा की का रही है। वरिष्ठ पत्रकार डॉ भरत अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि विदिशा समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है और यहां पूर्व से किए जा रहे सेवा कार्यों में अब एक नया बड़ा सेवा कार्य अपना घर आश्रम के रूप में जुड़ गया है। जहां पीड़ित मानवता की सेवा अब आसानी से संभव हो सकेगी। बाल आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो, कुलपति डॉक्टर प्रीतम बाबू शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपना घर आश्रम की सेवा गतिविधियों को सराहा।

अपना घर आश्रम के सदस्य विकास पचौरी ने बताया कि आगरा के पास भरतपुर में डॉक्टर पीएम भारद्वाज के द्वारा अपना घर आश्रम चलाया जा रहा है। उस आश्रम से प्रेरणा लेकर विदिशा में अपना घर आश्रम की शुरुआत की गई थी। जिसमें आसपास क्षेत्र के मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर बेसहारा लोगों की मदद की जा रही है लोगों को आश्रय दिए जा रहा है। जहां भी इस प्रकार के लोग मिलते हैं तो उनको वहां से रेस्क्यू किया जाता है

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, मंगलवार 02 अप्रैल, 2024

लो.स. प्रत्याशी के खर्च की सीमा तय, अधिकतम 95 लाख रु. खर्च कर सकेंगे उम्मीदवार

इंदौर। लोकसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपये निर्धारित की गई है। उम्मीदवारों को नामांकन पत्र भरने के पूर्व अलग से बैंक खाता खोलना होगा। वे इसके माध्यम से ही चुनाव संबंधी सभी तरह के व्यय कर सकेंगे। उसे कम से कम तीन बार निर्वाचन व्यय लेखे को परीक्षण हेतु निर्वाचन व्यय लेखा दल को प्रस्तुत भी करना होगा तथा चुनाव परिणामों की घोषणा के 30 दिन के भीतर चुनाव खर्च का पूरा विवरण निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की विभिन्न माध्यमों से निगरानी की जा रही है। उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में व्यय लेखा दल को निर्धारित समय-सीमा में चुनाव खर्च का पूरा विवरण अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना होगा।

कलेक्टर ने दिये पेंडिंग काम समय सीमा में पूरे करने के निर्देश

काम में लापरवाही बरतने पर तीन अधिकारियों के विरुद्ध की कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि समस्या निवारण संबंधी पत्रों का निराकरण समय-सीमा में करें। अधिकारी जब भी बैठक में आये तो वह संबंधित पूरी जानकारी साथ लेकर आये। कर्तव्यों में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर 3 अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण संबंधी बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर गौरव बेनल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लौवंशी, रोशन राय, राजेन्द्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर सिंह ने समय-सीमा के पत्रों के निराकरण की अधिकारीवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि समस्या निवारण संबंधी पत्रों का निराकरण समय-सीमा में किया जाये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जब भी वे किसी बैठक मे आये तो बैठक से संबंधित पूरी जानकारी साथ लेकर आये। उन्होंने बैठक में संतुष्टिपूर्वक जानकारी नहीं देने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और उपायुक्त सहकारिता का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने पिछले दिनों वीआईपी विजिट के दौरान एम्बुलेंस में उपकरण और चिकित्सक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इस लापरवाही के लिए सिविल सर्जन की विभागीय जांच के लिए प्रस्ताव संभागायुक्त को भेजने के निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने कहा कि इस तरह की पुर्नावृति नहीं होना चाहिये। किसी भी काम में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही और उदासीनता बरतने पर कड़ी कार्यवाही होगी।

इंदौर बिजली कंपनी ने वित्तीय वर्ष में एकत्र किया 11344 करोड़ का नकद राजस्व

मार्च में कंपनी के खाते में आए 1258 करोड़ रुपए

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतिम माह मार्च में 1258 करोड़ रुपए राजस्व रूप में प्राप्त हुए हैं। इसी तरह पूरे वित्तीय वर्ष में कंपनी को कुल 11344 करोड़ रुपए नकद राजस्व संग्रहित करने में आशातीत सफलता प्राप्त हुई है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि मार्च के लिए फरवरी में ही विधिवत रूप से योजना तैयार कर बकाया राशि एकत्र करने के लिए सभी 15 जिलों के अधिकारियों को निर्देशित किया था। एक मार्च से ही सभी जिलों में कार्य प्रारंभ किया गया था। कंपनी ने इसके लिए करीब सात सौ इंजीनियरों समेत 8 हजार कार्मिकों दायित्व सौपे थे। प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर सभी कर्मचारी, अधिकारी माहभर तक कार्य में जुटे रहे। तोमर ने बताया कि इसी कारण मार्च में जहां 1258 करोड़ और वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल 11344 करोड़ रूपए का नकद राजस्व प्राप्त हुआ है। तोमर ने बताया कि मार्च में कंपनी को 26 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं से बिल राशि प्राप्त हुई है, जो अब तक सर्वाधिक भी हैं। तोमर ने बिजली कंपनी के कार्मिकों के अलावा उपभोक्ताओं, मालवा निमाड़ के कमिश्नरों, कलेक्टर, सीईओ , जिला विभाग प्रमुखों का भी आभार माना है, जिन्होंने शासकीय देयकों का भुगतान करने में अपना सहयोग प्रदान किया।

इंदौर से दुबई और शारजाह फ्लाइट का समय बदला

इंदौर। समर शेड्यूल के लागू होने के बाद इंदौर से चलने वाली दुबई और शारजाह फ्लाइट का समय बदल गया है। यह फ्लाइट अब आधा से लेकर एक घंटे देरी तक आएगी-जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की शारजाह फ्लाइट हफ्ते में दो दिन मंगलवार और रविवार को चलती है, जबकि दुबई फ्लाइट हफ्ते में एक दिन गुरुवार को चलती है। नए टाइम-टेबल के अनुसार दुबई से इंदौर हर गुरुवार शाम 5.40 बजे उड़ेगी रात 10.30 बजे इंदौर पहुंचेगी। वही इंदौर से दुबई हर शुक्रवार रात 12.40 बजे रवाना होकर भारतीय समयानुसार रात 4.25 बजे दुबई पहुंचेगी। जबकि शारजाह फ्लाइट हफ्ते में दो बार चलती है। इसका नया समय शनिवार व सोमवार शाम 5.50 बजे शारजाह से उड़ेगी और रात 10.35 बजे इंदौर पहुंचेगी। वही इंदौर से यह प्रत्येक रविवार व मंगलवार रात 12.10 बजे उड़ेगी और रात 3.25 बजे शारजाह पहुंचेगी। नए शेड्यूल में पर्यटकों को असुविधा होगी। इंदौर से शारजाह उड़ान से जाने वाले पर्यटकों को अधिक परेशानी होगी। मध्यरात्रि के करीब उड़ान शारजाह पहुंचाएगी। विदेशों में होटल चेक इन दोपहर दो बजे से होता है। यात्री रात 2 बजे वहां पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से निकलकर होटल पहुंचते- पहुंचते रात की 3 बज जाएगी। होटल में सुबह 10 बजे चेक आउट टाइम होता है। इस तरह से कुछ घंटे सोने के लिए पूरे दिन का किराया यात्रियों को भरना पड़ेगा। दुबई में यही असर होगा।

सुपर कारिडोर पर दस हजार बैठक क्षमता का कन्वेंशन सेंटर फाइलों में ही चल रहा

इंदौर। स्वच्छता में नंबर वन इंदौर की आवश्यकता को देखते हुए सुपर कारिडोर पर दस हजार बैठक क्षमता का कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना तैयार की गई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी घोषणा करते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) को इसका जिम्मा सौंपा गया था। आइडीए ने सुपर कारिडोर पर जमीन चिह्नित कर बोर्ड बैठक में सलाहकार नियुक्त कर डिजाइन और बजट पर काम भी शुरू कर दिया गया। इसके बावजूद कन्वेंशन सेंटर का निर्माण एक साल से फाइलों में ही चल रहा है। जमीन को लेकर फंसे पेंच का अब तक निराकरण नहीं हो सका। शासन भी इसकी फाइल लौटा चुका है।आइडीए की बोर्ड बैठक में करीब एक साल पहले योजना 172 में कन्वेंशन सेंटर के लिए 42 एकड़ जमीन आवंटन पर सहमति बनी थी। इसमें से 25 एकड़ में सेंटर बनाया जाना था, जबकि 19 एकड़ भविष्य की जरूरत के लिए आरक्षित की गई थी। योजना 172 में कन्वेंशन सेंटर के लिए चिन्हित खसरा नंबर 322 और 334 का भू-उपयोग परिवर्तन का पेंच फंस गया।

वर्तमान मास्टर प्लान में उक्त भूमि आवासीय है, उसे व्यावसायिक करने का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया। शासन ने भू-उपयोग परिवर्तन की संभावना से इनकार करते हुए प्रस्ताव लौटा दिया। शासन का कहना था कि पहले से तय योजना में भू उपयोग परिवर्तन संभव नहीं। इसके बाद आइडीए ने दोबारा प्रस्ताव बनाकर भेजा है। इस पर अब तक निर्णय नहीं हो सका।

वन विभाग ने जताई आपत्ति

कन्वेंशन सेंटर के लिए चिन्हित 42 एकड़ जमीन को लेकर वन विभाग की आपत्ति भी है। वन विभाग इसे अपनी जमीन बता रहा है। गांधीनगर जंक्शन के पास सुपर कारिडोर पर स्थित भूमि का व्यावसायिक उपयोग करने से पहले वन संरक्षण अधिनियम के तहत भूमि का डायवर्शन आवेदन करना होगा। इसके लिए आइडीए को वन विभाग को उक्त भूमि के बराबर भूमि देना होगी। पौधारोपण का खर्च भी वहन करना होगा। हालांकि इसको लेकर नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव वन विभाग और राजस्व विभाग के साथ बैठक कर चुके हैं।

दाई हजार से अधिक का सेंटर नहीं

इंदौर में वर्तमान में निजी क्षेत्र का सिर्फ ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर ही एकमात्र सेंटर है। यहां दो-ढाई हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इससे बड़े आयोजन खुले में करने पड़ते हैं। सरकार ने अपना खुद का सेंटर तैयार करने की योजना बनाई थी। आइडीए ने जल्दबाजी में इसकी घोषणा कर जमीन चिन्हित कर काम शुरू कर दिया। इसके अन्य पेंच पर ध्यान नहीं दिया। नतीजा मामला अधर में अटक गया।

गत वर्ष जनवरी में इंदौर में आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में हुए आयोजन में कई लोगों को स्थान नहीं मिल सका। मजबूरी में लोगों को बाहर बैठकर लोगों को कार्यक्रम देखना पड़ा था। इस दौरान हुई किरकिरी के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में दस हजार बैठक क्षमता का कन्वेंशन सेंटर बनाने की घोषणा की थी। निर्माण का जिम्मा आइडीए को दिया गया।इसके बाद आइडीए ने ताबड़तोड़ निर्णय करते हुए जमीन तय कर सालाना बजट में इसका प्रावधान कर दिया था।

इंदौर में हैवानियत : छात्रा और युवक को निर्वस्त्र कर नचाया, श्वान के पट्टे से पिटवाया

- आरोपित ने दोनों की श्वान के पट्टे से पिटाई भी करवाई, आरोपित गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर शहर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में मकान मालिक की हैवानियत सामने आई है। सीधी जिले की 17 वर्षीय छात्रा इंदौर में किराए के मकान में रहती थी। नशे में धुत आरोपित ने छात्रा और उसके दोस्त को निर्वस्त्र किया फिर जबरन फिल्मी गानों पर डांस करवाया। आरोपित ने दोनों की श्वान के पट्टे से पिटाई भी करवाई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने नंदानगर से मकान मालिक और उसके बेटे को पकड़ा। दोनों आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट, छेड़छाड़ और मारपीट का प्रकरण दर्ज हुआ है।

घटना शहर के नंदानगर की है। सीधी जिले की 17 वर्षीय छात्रा इंदौर में किराए के मकान में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। कुछ दिन पहले ही पढ़ाई पूरी होने पर वह घर जाने की तैयारी कर रही थी। शुक्रवार को उसने पीथमपुर में रहने वाले दोस्त से बात की और कहा कि रूम पर रखा चावल, अनाज ले जाएं। शाम करीब चार बजे छात्रा का दोस्त नंदानगर स्थित रूम पर आ गया। रात को दोनों खाना खाकर बात कर ही रहे थे कि करीब 11 बजे मकान मालिक कपिल आ गया। वह जबरदस्ती छात्रा के रूम में घुसा और मारपीट करने लगा। दोनों को निर्वस्त्र किया और मोबाइल पर तेज आवाज में गाने बजाए। आरोपित बीयर पीने लगा और छात्रा व युवक से डांस करवाया। कपिल ने बेटे (नाबालिग) को भी बुलाया और श्वान के पट्टे से पिटाई करवाई।

सीढ़ियों से धक्का दिया और अश्लील हरकत की

आरोपित ने दोनों का वीडियो भी बना लिया। करीब पांच घंटे तक प्रताड़ित होने के बाद छात्रा ने बचकर भागने की कोशिश की। पहली मंजिल पर जाकर आवाज लगाने लगी तो कपिल का बेटा पीछे-पीछे आया और धक्का देकर गिरा दिया। कपिल ने भी उसको पकड़ा और अश्लील हरकत की। सुबह युवक थाने पहुंचा और पूरी घटना बताई। पुलिस घर पहुंची तो आरोपित नशे में मिला। पुलिस ने पिता-पुत्र को हिरासत में लेकर केस दर्ज कर लिया।

लगातार बिगड़ रहे सरकारी एयर लाइंस के विमान

अधिकतर फ्लाइट हो रही कैंसल

इंदौर। देश की एकमात्र सरकारी एयरलाइंस एलायंस एयर के विमान लगातार बिगड़ रहे हैं, जिससे फ्लाइट लेट और कैंसल हो रही हैं। रविवार को भी कंपनी का विमान इंदौर आने से पहले दिल्ली में खराब हो गया। इसके चलते इंदौर से जुड़ी कंपनी की दिल्ली और ग्वालियर की छह फ्लाइट घंटों देरी से आई-गई। परेशान यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया। पिछले हफ्ते मुंबई फ्लाइट में भी खराबी आई थी। एलायंस एयर की फ्लाइट सुबह 11.30 बजे दिल्ली से रवाना होकर 1.40 बजे इंदौर आती है और यहां से 2.05 बजे ग्वालियर जाती है। ग्वालियर से शाम 5.20 बजे इंदौर आकर 5.45 बजे वापस दिल्ली जाती है। वहीं दिल्ली से शाम 7.40 बजे इंदौर आकर 8.05 बजे वापस दिल्ली जाती है, लेकिन सुबह इंदौर आने से पहले ही दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते विमान का सुधार शुरु किया गया। सुधार के बाद यह विमान यात्रियों को लेकर शाम 4.40 बजे दिल्ली से रवाना हुआ और तय समय से पौने पांच घंटे देरी से शाम 6.20 बजे इंदौर पहुंचा। यहां से यात्रियों को लेकर शाम 7 बजे ग्वालियर के लिए रवाना हुआ। पहली फ्लाइट के लेट होने के कारण सभी छह फ्लाइट्स लेट हुई और आखिरी फ्लाइट रात 11.40 बजे इंदौर से दिल्ली के लिए रवाना हुई। फ्लाइट के लेट होने से एयरपोर्ट पर यात्रियों ने हंगामा किया। कंपनी की कई फ्लाइट पहले भी कई बार विमान बिगड़ने से लेट और कैंसल हो चुकी हैं।

आचार संहिता : अधर में निगम की वन टाइम सैटलमेंट योजना

इंदौर। आचार संहिता के चलते नगर निगम की वन टाइम सैटलमेंट योजना अटक गई है। आर्थिक संकट से जूझ रहे इंदौर नगर निगम को उम्मीद थी कि इस योजना से उसे 200 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। इससे वह अधूरे काम शुरू कर सकेगा। वन टाइम सैटलमेंट योजना को कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की हरी झंडी भी मिल गई थी, लेकिन फाइल इंदौर पहुंचती, इसके पहले ही आचार संहिता लागू हो गई। अधिकारियों का कहना है कि आचार संहिता हटते ही योजना लागू करेंगे, लेकिन यह तो समय ही बताएगा कि इस दावे में कितना दम है। फिलहाल तो आम चुनाव के चलते निगम का आर्थिक संकट और लंबा खींच गया है।शहर में हजारों की संख्या उन जल कनेक्शनधारियों की है, जो वर्षों से नगर निगम में जलकर ही जमा नहीं कर रहे। बार-बार चेतावनी के बावजूद ये लोग नगर निगम में जलकर जमा नहीं करते हैं। ऐसे लोगों के अनियमित खातों को नियमित करने और नगर निगम को आर्थिक संकटों से उभारने के प्रयास के चलते निगम ने वन टाइम सैटलमेंट योजना तैयार की है। इस योजना के तहत वर्ष 2022-23 तक के बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि जमा कर कोई भी खाताधारी जलकर के अनियमित खाते को नियमित करवा सकता है। निगम के अनुमान के मुताबिक ऐसे खातों की संख्या 50 हजार से ज्यादा है। इन खातों के नियमित होने की स्थिति में निगम को 200 करोड़ रुपये की राशि मिलने की उम्मीद थी। इन खातों के नियमित होने पर अगले वर्ष से निगम को नियमित राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद भी रहती। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस योजना के बारे में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से विस्तार से चर्चा भी की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री ने इस योजना को अनुमोदित भी कर दिया था, लेकिन नगर निगम मुख्यालय तक कागज पहुंचने से पहले ही आचार संहिता लग गई। इसके चलते अब यह योजना फिलहाल तो अटक गई है। चुनाव के बाद इस योजना का क्या होगा यह तो भविष्य ही बताएगा।

एक माह का समय देने की योजना थी

निगम की योजना थी कि वन टाइम सैटलमेंट योजना लागू करने के बाद लोगों को बकाया जलकर जमा करने के लिए एक माह का समय दिया जाए। इसके बावजूद भी लोग अगर अनियमित खाता नियमित नहीं करवाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन आचार संहिता के चलते अब यह योजना अटक गई है।

अवैध कनेक्शन को वैध करने की योजना भी हो चुकी है फेल

नगर निगम ने इसके पहले अवैध जल कनेक्शन को वैध करने की योजना भी लागू की थी। इस योजना के तहत एक निश्चित राशि जमा कर अवैध जल कनेक्शन को वैध करवाया जा सकता था। निगम के अधिकारियों का अनुमान है कि शहर में 75 हजार के लगभग अवैध जल कनेक्शन हैं। योजना के तहत इनमें से सिर्फ 18 हजार जल कनेक्शन ही वैध किए जा सके। शेष अवैध कनेक्शनधारी अब भी बगैर किसी तरह का शुल्क चुकाए जल उपयोग कर रहे हैं। निगम अधिकारी कई बार इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन ये कार्रवाई कभी होती हुई नजर नहीं आती।

सभी विभाग चुनाव से संबंधित व्यवस्थाएं समय-सीमा में करें - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन

इंदौर। सभी विभाग चुनाव से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करें। सभी विभागों में चुनाव संबंधी तैयारियों के लिये नियुक्त नोडल अधिकारी इन व्यवस्थाओं की सतत् मॉनिटरिंग करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने यह निर्देश आज विभिन्न विभागों के चुनाव से संबंधित व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा के दौरान दिये।

राजन ने गृह विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि चुनाव ड्यूटी के दौरान किसी सुरक्षा कर्मी की दुर्घटना होने पर उसके खाते में अतिशीघ्र प्रावधानित राशि पहुँचनी चाहिए। पुलिस डिप्लायमेंट प्लान शीघ्र तैयार करें। कानून व्यवस्था की दैनिक रिपोर्ट भेजें?। मतदान एवं मतगणना दिवस पर शराब की बिक्री पर प्रतिबंध सुनिश्चित करें। अन्य प्रदेशों के करीब मध्यप्रदेश के पड़ोसी जिलों में भी मतदान एवं मतगणना के दिन शराब की बिक्री पर प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिये जरूरी कदम उठाएं।

राजन ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में स्थापित मतदान केन्द्रों में अनिवार्य सु?विधाएं उपलब्ध करवाएं। दिव्यांग मतदाताओं के लिये व्हील-चेयर की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। खासतौर से सुरक्षा एजेंसियों के वाहनों को ईंधन के लिये दूर नहीं जाना पड़े। मतदान के दिनों में सभी निजी संस्थानों में भी श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश मिलना चाहिए।

एयर एंबुलेंस जबलपुर में और हेलीकॉप्टर बालाघाट में रहेगा

राजन ने बताया कि बालाघाट, मंडला एवं डिंडोरी जिले में चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों/ सुरक्षाबलों को गंभीर बीमारी या दुर्घटना होने पर विशेषज्ञ सुविधा वाले अस्पतालों में ले जाने के लिये एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जबलपुर में एयर एंबुलेंस और बालाघाट में हेलीकॉप्टर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि मतदान दल के साथ जरूरी दवाइयों के साथ एक मेडिकल किट जरूर रखवाएं?। गर्मी को ध्यान में रखते हुए ओआरएस आदि जरूरी दवाइयाँ किट में होनी चाहिए। मतदान कर्मियों के बीमार होने पर हरसंभव इलाज नजदीकी अस्पताल में मिले।

हर मतदान केन्द्र में करें पेयजल की व्यवस्था

राजन ने कहा कि सभी मतदान केन्द्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मतदान और मतगणना के दिन निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। सड़कों में बिजली के तार नहीं झूलने चाहिए। निर्वाचन संबंधी फार्म एवं पुस्तकों का मुद्रण समय-सीमा में किया जाए। लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग मतदान केन्द्रों तक के पहुँच मार्ग की मरम्मत आदि का कार्य समय-सीमा में कराएं।

विपक्ष को कमजोर करने के लिए टैक्स का सहारा ले रही भाजपा

इंदौर। कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग द्वारा 1823 करोड़ रुपये का नोटिस जारी करने के मुद्दे पर शहर कांग्रेस द्वारा रविवार को थाली बजाओ पोल खोल जनजागरण अभियान चलाया। छत्रीबाग से महिलाएं तख्तियां लेकर थाली बजाते चलीं। विरोध प्रदर्शन करते हुए महिलाओं का समूह राजेग्राम, रविदासपुरा, अर्जुनपुरा, बराभाई जोशी मोहल्ला, रामद्वारा छत्रीबाग पर पहुंचा।इंदौर शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है कि राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर देशव्यापी आंदोलन के तहत रविवार को यह प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस पार्टी को 1823 करोड़का टैक्स नोटिस भाजपा की केंद्र में बैठी सरकार के इशारे पर आयकर विभाग ने दिया है। अधिकारियों का सत्तारूढ़ दल द्वारा गुंडों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। विपक्षी दल लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को दिवालिया करने की कोशिश कर रही है।चुनाव से पहले विपक्ष को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए भाजपा टैक्स आतंक का सहारा ले रही है। भाजपा खुद आयकर कानून का उल्लंघन कर रही है। ऐसी कार्रवाई से कांग्रेस पार्टी डरने वाली नहीं है। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा से मुकाबले के लिए 'थाली बजाओ पोल खोल' अभियान जारी रखेगी।

सी-विजिल एप पर आदर्श आचरण संहिता उल्लंघन की कर सकेंगे शिकायत

चुनावी प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की आनलाइन शिकायत सी-विजिल सिटीजन एप पर की जा सकेगी। कोई भी व्यक्ति मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाकर शिकायत कर सकता है। एप का इस्तेमाल करने के लिए शिकायतकर्ता के मोबाइल पर जीपीएस और इंटरनेट चालू होना आवश्यक है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की आनलाइन शिकायतें इस एप के माध्यम से ही की जा सकती हैं। वीडियो दो मिनट से अधिक का नहीं होना चाहिए।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 02 अप्रैल, 2024

संपादकीय | भाजपा के अधिकांश टिकट दलबदलुओं को!

नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने भाजपा को बदल दिया है। पार्टी दलबदलुओं की हो गई है। पार्टी के अब तक 405 उम्मीदवार घोषित हुए है। मोटा मोटी लगता है इनमें से सौ भी असली भगवा उम्मीदवार नहीं हैं। अधिकांश दलबदलू और संघ परिवार को हिकारत से देखने की बैकग्राउंड वाले हैं। संघ-भाजपा में सालों जो लोग मरे-खपे, कर्मठ क्षेत्रीय-जिला पदाधिकारी हैं वे लगभग आउट हैं। भाजपा के घोषित 405 उम्मीदवारों की सीटों के मौजूदा 291 सांसदों में से 101 भाजपाइयों के टिकट कटे हैं। सवाल है नए चेहरे कैसे हैं? ये चेहरे कौन हैं? भाजपा की जमीनी राजनीति, संगठन में मेहनत करके उभरे हुए नेता तो कतई नहीं! सभी नरेंद्र मोदी-अमित शाह द्वारा सीटवार हारने-जीतने के सर्वेक्षणों के अनुसार चयनित। और जहां नरेंद्र मोदी के चेहरे पर वोट पड़ने हैं वहां नरेंद्र मोदी द्वारा चयनित। जैसे गुजरात। चौदह नए चेहरों को टिकट मिला है। ये नरेंद्र मोदी द्वारा निजी तौर पर चुने गए वे चेहरे हैं, जिनको चुनने के बाद इन्हे सिर्फ मोदी का जयकारा लगाना है। नरेंद्र मोदी जब मुख्यमंत्री बने थे। उस समय, और उसके बाद की दो पीढ़ी के संगठन के लोग गुजरात में अब आउट हैं। मोदी-शाह की कमान में गुजरात अब उस नई पीढ़ी के भाजपाइयों की हो गई है, जिसका संगठन, आंदोलन, विचारधारा से वैसा नाता नहीं है, जैसा मोदी-शाह का प्रारंभ में हुआ करता था। अधिकांश नए मोदी द्वारा सेलेक्टेड हैं। सो, भाजपा नाम के संगठन में उम्मीदवार चयन में संगठन का रोल लगभग जीरो है। जिले से पैनल, प्रदेश से पैनल, संघ पदाधिकारियों की छंटनी और संगठन मंत्रियों जैसे राष्ट्रीय स्तर पर बीएल संतोष आदि का सन् 2024 के लोकसभा उम्मीदवारों के चयन में

लगभग जीरो और केवल दिखावे का रोल है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठकों के फोटोशूट खूब छपे लेकिन असलियत में लिस्ट मोदी-शाह की सर्वेक्षण टीमों की फीडबैक व अमित शाह के यहां बनी है।

जिनके नाम मोदी के यहां से गए वे अपने आप लिस्ट में शामिल। फिर अमित शाह के यहां तमाम जरियों से आई सूचियों में नामों की छंटनी। और चुनाव समिति की बैठक में उन पर या तो स्वंय अमित शाह द्वारा चर्चा करके फैसला करना या संगठन मंत्री बीएल संतोष की प्रस्तुति और ठप्पा। जेपी नड्डा, प्रदेश पदाधिकारियों, मुख्यमंत्री (जैसे योगी आदि) बैठक में बैठे जरूर दिखे लेकिन इनसे एक सलाह, एक नाम तय नहीं हुआ होगा।

हां, योगी आदित्यनाथ कितना ही बड़ा चेहरा हों उनका उत्तर प्रदेश के 80 उम्मीदवारों में एक के भी चयन में हाथ नहीं है। प्रदेश सीएम, प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री सब जीरो। और सर्वेसर्वा या तो मोदी-शाह की इनहाउस सर्वेक्षण टीमें या खुद के हिसाब व पसंद-नापसंद।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों में महिलाओं को टिकट देने का निश्चय किया। और उन्हें कैसे ढूंढा गया? अपनी पहचान से या परिवार नेताओं के घर से। हाल के विधानसभा चुनाव में मेवाड़ राजघराने के विश्वराज सिंह विधायक नाथद्वारा से चुने गए तो उस जिले में सांसद उम्मीदवार किसे बनाएं? नरेंद्र मोदी ने उनकी पत्नी महिमा विश्वराज सिंह को राजसंमद सीट से उम्मीदवार बनवा दिया। मतलब परिवारवाद आड़े नहीं आया। भाजपा लिस्ट में केरल से ले कर हिमाचल तक पारिवारिक विरासत के चेहरे दिखलाई देंगे या फिर दलबदलू या संघ परिवार से दूर-दूर तक नाता नहीं रखने वाले निराकार चेहरे।

मतलब जो कार्यकर्ता या नेता तीस-चालीस साल से संघ संगठन-भाजपा संगठन में उम्मीदवार बनने के लिए इंतजार करते हुए थे, उनकी जिला पैनल कूड़ेदानी में गई। जहां आसान जीत वहां नरेंद्र मोदी ने पुराने चेहरों को काट अनाम से नए चेहरे खड़े किए और जहां मुकाबले का माहौल वहां तमाम तरह के दलबदलुओं को टिकट। और बिहार जैसे कांटे के मुकाबले वाले राज्यों में इस चिंता में सीटिंग सांसदों को रिपीट किया गया क्योंकि नयों के जीतने की गारंटी नहीं।

यही है भाजपा की उम्मीदवार लिस्ट की गाथा। उत्तर भारत में हवा वाली सीट के एक भाजपा प्रत्याशी ने ठीक कहा- मैं तो घर बैठे जीतूंगा। न पैसा खर्च करने वाला हूं और न जिले के पुराने नेताओं की लल्लो-चप्पो करनी है। मैं यह सब क्यों करूं? सही बात है। न कंगना रनौत को मेहनत करनी है और न नवीन जिंदल को। मोदी अपने आप जीता देंगे तो उम्मीदवार को बस उनकी सभा के लिए भीड़ भर पहुंचानी है।

सुरक्षा व्यवस्था पर दें विशेष ध्यान - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन

राजन ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की

इंदौर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा है कि पुलिस अधिकारी मतदान से पहले और मतदान के दिन सुरक्षा व्यवस्था की विशेष तैयारियां सुनिश्चित करें। मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त बल उपलब्ध रहें। जिससे मतदान में किसी भी प्रकार का व्यवधान न हो।

अवांछित तत्वों पर करें प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

राजन ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि चिन्हित एवं निगरानीशुदा सभी अवांछित तत्वों पर शीघ्र प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें। गैर जमानती वारंटों की जल्द से जल्द तामीली करायें। अवैध शराब एवं गैर लाइसेंसी शस्त्र जब्त करें और ऐसी किन्हीं भी गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगायें।

संवेदनशील क्षेत्रों पर रहें अतिरिक्त बल

राजन ने निर्देश दिये कि प्रदेश के सभी संवेदनशील क्षेत्रों (वल्नरेबल एरियास) पर विशेष ध्यान दिया जाये। चौकसी बढ़ाकर यहां आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल भी लगाया जाये।

नाकों को सक्रिय करें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रदेश में स्थापित किये गये अंतर्राज्यीय नाकों (इन्टर स्टेट) और राज्य के अंदर नाकों (इन्ट्रा स्टेट) की गतिविधियों की समीक्षा कर पुलिस अधिकारियों से कहा कि यह सभी नाके सक्रिय कर दिये जायें। यहां स्टॉफ की संख्या बढ़ायें और हर गतिविधि की निगरानी करें।

उड़नदस्ता और निगरानी दल रहें मुस्तैद

राजन ने कहा कि निर्वाचन के परिपेक्ष्य में तैयार किये गये उड़नदस्ता दल और निगरानी दल (एसएसटी) के मॉनिटरिंग सिस्टम को और प्रभावी बनाया जाये। उन्होंने इन दलों को मुस्तैदी से कार्रवाई करने और इनके कार्यों की रोजाना समीक्षा किये जाने के निर्देश दिये।

पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दें

राजन ने निर्वाचन में संलग्न किये गये सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विधिवत प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को उनके पदीय कर्तव्यों और इन कर्तव्यों को पूरा करने के लिये अपनायी जाने वाली निर्धारित प्रक्रिया के बारे में भी बताया जाये।

सीमावर्ती जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बॉर्डर मीटिंग करायें

राजन ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि सीमावर्ती राज्यों के जिला स्तर के पुलिस अधिकारियों के साथ मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों की बॉर्डर मीटिंग कराई जाये। इस बैठक में दोनों ही प्रदेशों के पुलिस अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि सभी जरूरी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही समय-सीमा में हों।

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विवेक श्रोत्रिय, पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) एवं स्टेट पुलिस नोडल ऑफिसर अंशुमान सिंह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक नागेन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बालकृष्ण कॉलोनी में श्री श्याम कीर्तन के साथ फाग उत्सव मना

इंदौर। बालकृष्ण कॉलोनी (बालदा) युवा संगठन के वरुण पाल, पिंकू पाल और सचिन चौहान ने बताया कि संगठन द्वारा कॉलोनी में श्री श्याम कीर्तन के साथ फाग उत्सव मनाया गया। फाग उत्सव में खाटू श्याम का दरबार सजाया गया था, श्री खाटू श्याम का काजू, मखाने, बादाम, इलायची, सूखे मेवों और फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। बाबा श्याम की ज्योत भी प्रज्वलित की गई। श्री श्याम बाबा का श्रृंगार सचिन चौहान, माया चौहान, शुभम बरफा ने किया। इस अवसर पर श्री श्याम कीर्तन में भजन गायक प्रदीप परमार ने सुमधुर श्याम भजनों की प्रस्तुति दी। फाग गीतों पर उपस्थित कॉलोनी के रहवासी झूम उठे। बाबा श्याम के दरबार में मची से होली भजन पर जमकर गुलाल उड़ा, होलिया में उड़े रे गुलाल फाग गीत पर हर कोई गुलाल की मस्ती में डूबा नजर आ रहा था। कान्हा रे फागुन की रुत आई रे....आज ब्रज में होली रे रसिया... होरी खेलत नंदलाल बिरज में.... जैसे फाग गीतों पर हर कोई श्याम रंग में रंगा नजर आ रहा था। कॉलोनी की मातृशक्ति फाग गीतों पर फूल और गुलाल उड़ा कर देर रात तक श्याम की भक्ति में रमी रही। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर बाबा श्याम से सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बालकृष्ण कॉलोनी के रहवासी शामिल थे।

खतरनाक है देश की राजनीति में विदेशी दखल

अभिरंजन कुमार

> सबसे पहले तो हमने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखा कि दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण देशों में जाकर उन्होंने भारतीय समुदाय की बड़ी-बड़ी रैलियां कीं और उसमें एक तरफ जहां भारत का गौरवगान किया, वहीं दूसरी तरफ भारतीय विपक्ष की प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से आलोचना भी की। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किये गए इस चलन में यह बात गौर करने की रही कि उन्होंने जब भी भारतीय विपक्ष की आलोचना की, भारतीय समुदायों के बीच ही की। विदेशी समुदायों के बीच भारतीय राजनीति पर बात करते हुए वे कभी नज़र नहीं आए। दूसरी तरफ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान अमेरिका और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण देशों की अपनी यात्राओं का राजनीतिक इस्तेमाल किया है। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने कई बार यह आरोप लगाया है कि भारत की सरकार यहां के लोकतांत्रिक ढांचे पर लगातार हमले कर रही है, साथ ही यहां प्रेस और न्यायपालिका की स्वतंत्रता भी खतरे में है।

क्या भारत की राजनीति में विदेशी तत्वों का दखल बढ़ता जा रहा है या फिर भारत के राजनेता अपने सहारे के लिए विदेशी तत्वों के सहयोग अथवा हस्तक्षेप की अपेक्षा करने लगे हैं? भारत जैसे बड़े देश की राजनीति में विश्व के शक्तिशाली देशों की दिलचस्पी होना एक सामान्य बात लगती है, लेकिन यह सवाल इसलिए पैदा हुआ है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से एक ऐसा चलन देखने में आ रहा है, जो सामान्य से अलग है। इसमें हम यह देखते हैं कि विदेशी तत्वों की भारत में एक सहज-स्वाभाविक सामान्य सी दिलचस्पी तो है ही, लेकिन भारत के कुछ राजनीतिक लोग भी अपने फायदे के लिए विदेशों का मुंह देखने लगे हैं। यद्यपि इस तरह के प्रयासों में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही तरफ के लोग शामिल हैं, लेकिन दोनों के उद्देश्य और तरीके स्पष्ट रूप से अलग हैं। जहां सत्ता पक्ष के लोग विदेशों में अपना प्रभाव दिखाकर देश में हवा बनाने की कोशिश करते हुए दिखाई देते हैं, वहीं विपक्ष के लोग अपने बचाव, समर्थन और समस्याओं के समाधान के लिए दूसरे देशों मे भारत की सरकार के विरुद्ध माहौल बनाते हुए दिखाई देते हैं।

सबसे पहले तो हमने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखा कि दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण देशों में जाकर उन्होंने भारतीय समुदाय की बड़ी-बड़ी रैलियां कीं और उसमें एक तरफ जहां भारत का गौरवगान किया, वहीं दूसरी तरफ भारतीय विपक्ष की प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से आलोचना भी की। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किये गए इस चलन में यह बात गौर करने की रही कि उन्होंने जब भी भारतीय विपक्ष की आलोचना की, भारतीय समुदायों के बीच ही की। विदेशी समुदायों के बीच भारतीय राजनीति पर बात करते हुए वे कभी नज़र नहीं आए। दूसरी तरफ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान अमेरिका और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण देशों की अपनी यात्राओं का राजनीतिक इस्तेमाल किया है। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने कई बार यह आरोप लगाया है कि भारत की सरकार यहां के लोकतांत्रिक ढांचे पर लगातार हमले कर रही है, साथ ही यहां प्रेस और न्यायपालिका की स्वतंत्रता भी खतरे में है।

लेकिन बात केवल कुछ भारतीय नेताओं के विदेशी धरती पर कुछ बयानों तक ही सीमित नहीं दिखाई देती, बल्कि भारत के कई आंतरिक मामलों में विपक्षी खेमे द्वारा तैयार किये गये नैरेटिव के आधार पर विदेशों से जिस तरह की आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, वह चिंता का विषय हैं। सबसे पहले इस संदर्भ में भारत के हाल-फिलहाल के दो आंतरिक मामलों पर गौर करते हैं। एक - भारत में नागरिकता संशोधन कानून 2019 यानी सीएए का लागू होना, और दूसरा - शराब घोटाले के आरोप में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किया जाना। जहां तक सीएए का प्रश्न है, भारत का विपक्ष लगातार इसे धार्मिक रूप से भेदभाव करने वाला और मुसलमानों के खिलाफ बताता रहा है। इसी आधार पर 2019-20 में मुस्लिम समुदाय ने दिल्ली के शाहीन बाग समेत देश के अनेक हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी किये। ऐसी अफवाहें फैलाई गईं, जैसे कि इस कानून से भारत में बड़ी संख्या में मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी, जबकि सरकार द्वारा बार-बार स्पष्ट किया गया कि यह भारतीय नागरिकता देने का

कानून है, न कि भारत के अल्पसंख्यकों की नागरिकता छीनने का कानून।

इसके बावजूद भारतीय विपक्ष ने जिस तरह का नैरेटिव खड़ा किया, उसके कारण दुनिया भर में इस कानून को लेकर एक भ्रम का वातावरण दिखाई देता है। अमेरिका ने तो यहां तक कह दिया कि भारत में सीएए कानून लागू होने से हम चिंतित हैं और इस बात पर करीब से नज़र बनाए हुए हैं कि इस कानून को किस तरह से लागू किया जाता है। स्थिति ऐसी बनी कि भारत सरकार को जवाब में कहना पड़ा कि ऐसे बयान देने वालों को भारतीय परंपराओं और विभाजन के बाद भारत और नए बने देशों के इतिहास की जानकारी नहीं है।

इसके बाद दिल्ली में शराब घोटाले के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी भारतीय विपक्ष ने जैसा नैरेटिव खड़ा किया, ठीक वैसे ही बयान जर्मनी और अमेरिका की तरफ से आ गए। दोनों देशों ने मामले पर नज़र होने की बात कही, साथ ही भारत को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया। हालात ऐसे बने कि भारत को इन दोनों देशों के राजनयिकों को तलब कर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी कि भारत में कानूनी प्रक्रियाएं एक स्वतंत्र न्यायपालिका पर आधारित हैं, उन पर कलंक या आक्षेप लगाने को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इतना ही नहीं, भारत को यह भी कहना पड़ा कि कूटनीति में उम्मीद की जाती है कि विभिन्न देश एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल न दें और एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करें। लेकिन इसके बाद भी अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं के पालन का ज्ञान दिया और कहा कि वह केजरीवाल की गिरफ्तारी समेत कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते फ्रीज किये जाने जैसी कार्रवाइयों पर बारीकी से अपनी नज़र बनाए रखेगा।इससे पहले, बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा और मुस्लिम नेता तस्लीम रहमानी के बीच हुई बहस को भी भारतीय विपक्ष ने ऐसा मोड़ दे दिया था, जिससे न केवल देश के मुसलमान आक्रामक हो उठे, बल्कि कुवैत, ईरान, कतर और सऊदी अरब समेत अनेक मुस्लिम देशों ने इस मुद्दे पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। देश के भीतर ऐसे हालात बन गए कि मुस्लिम समुदाय ने अनेक जगहों पर ÷सिर तन से जुदा÷ जैसे हिंसक नारे लगाए और उदयपुर समेत कुछ जगहों पर तो सचमुच ही कन्हैयालाल और कुछ अन्य लोगों के सिर कलम किये जाने की घटनाएं भी सामने आ गईं।इसके अलावा, एनडीटीवी मामले में भी अंतरराष्ट्रीय लॉबी और दबाव का पूरा इस्तेमाल किया गया। जब एक निजी बैंक को नुकसान पहुंचाये जाने से जुड़े एक मामले में सीबीआई ने एनडीटीवी के मालिक प्रणय रॉय के ठिकानों पर छापे मारे थे, तब भी विपक्षी कैम्प ने इसे भारत में अभिव्यक्ति की आज़ादी पर हमला और लोकतंत्र को कमज़ोर करने की कोशिश बताया था। किसान आंदोलन के समय भी हमने देखा कि किस तरह से एक अंतरराष्ट्रीय लॉबी इस आंदोलन के पीछे योजनाबद्ध तरीके से दिन-रात काम कर रही थी, जिसका खुलासा स्वीडिश युवती ग्रेटा थनबर्ग द्वारा गलती से पोस्ट किये गये एक टूलकिट से हुआ था। पेगासस स्पाइवेयर मामले में भी कई वैश्विक संगठनों ने भारतीय विपक्ष के दावे का समर्थन करते हुए भारत सरकार पर प्रश्नचिह्न खड़े किये थे। अमेरिका-जर्मनी के बाद अब चौधरी बनने की कोशिश में संयुक्त राष्ट्र, केजरीवाल और कांग्रेस पर जारी किया बयानअमेरिका-जर्मनी के बाद अब चौधरी बनने की कोशिश में संयुक्त राष्ट्र, केजरीवाल और कांग्रेस पर जारी किया बयान यह सच है कि बीते दस वर्षों में भारत में विपक्ष लगातार कमज़ोर पड़ा है, लेकिन उसकी इस कमज़ोरी के पीछे उसके ऊपर भ्रष्टाचार, परिवारवाद, जातिवाद, सांप्रदायिक तुष्टीकरण, राजनीतिक अपराधीकरण, नीतिगत पंगुता और देश की बुनियादी समस्याओं का समाधान कर पाने में विफल रहने के आरोपों की मुख्य भूमिका है। नेता, नीति और नीयत के सवाल पर देश की एक बड़ी आबादी उसके ऊपर भरोसा करने को तैयार नहीं है। उसके भीतर बिखराव और महत्वाकांक्षाओं की लड़ाई भी भयानक है।

लेकिन अपनी इन सारी कमियों पर विचार नहीं करते हुए वह अपनी तमाम विफलताओं का ठीकरा मोदी सरकार के सिर पर फोड़ता है और दुनिया भर में यह प्रचार करता है कि भारत में लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं एवं मीडिया को कमज़ोर किया जा रहा है। ज़ाहिर है, दुनिया को भी इस तरह के आरोपों में मज़ा आता है और वह भारत की अंदरूनी राजनीति में दखल देने से बाज नहीं आता।

निगम कमिश्नर झोन 03 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया

- अनावश्यक पानी बहने पर नल कनेक्शन काटने की चेतावनी देवे
- क्षेत्रीय सीएसआई व एनजीओ को नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर की विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे निरीक्षण के तहत झोन क्रमांक 03 के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्य, जलप्रदाय कार्य एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। आयुक्त द्वारा लोखंडे पुल, पंतवेध कॉलोनी, गणेश कॉलोनी, रामबाग, तिलक पथ, बक्षीबाग, सदर बाजार व अन्य क्षेत्र में सफाई एवं जलप्रदाय कार्य का निरीक्षण किया गया। आयुक्त वर्मा द्वारा गणेश कॉलोनी व रामबाग में सफाई कार्य के साथ ही सड़क किनारे पड़े सी एंड डी वेस्ट को हटाने के साथ ही सड़क किनारे पेव्हर ब्लॉक को रिपेयर करने के संबंधित सीएसआई राम लोवंशी को निर्देश दिये गये।

इसके पश्चात आयुक्त वर्मा द्वारा तिलक पथ शासकीय 15 नंबर स्कूल के पीछे रिक्त व बक्षीबाग क्षेत्र का निरीक्षण किया गया, यहां पर बडी मात्रा में कचरा पडा हुआ था, जिसे ओपन वाहन के माध्यम से कर्मचारी द्वारा भरा जा रहा था, कर्मचारी द्वारा कचरा भरने के दौरान ग्लब्स नही पहनने पर तुरंत ग्लब्ज उपलब्ध कराते हुए, कार्य के दौरान अनिवार्य रूप से ग्लव्स एवं मास्क पहनने के निर्देश दिये गये। साथ ही बक्षीबाग क्षेत्र व बक्षीबाग शौचालय के आस-पास के क्षेत्र से बडी मात्रा में कचरा इकटठा पाये जाने पर झोन 03 सीएसआई व एचएमएच एनजीओ के प्रतिनिधि को फटकार लगाते हुए, नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि यहां पर बड़ी मात्रा में कचरा डंप किया जा रहा है, यह आप देखते

नही हो, उन्होंने कहा कि डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन व अन्य वाहन आने के पश्चात भी यहां पर बड़ी मात्रा में कचरा फेंका जा रहा है, यह ठीक नही है।

आयुक्त वर्मा द्वारा बक्षीबाग क्षेत्र में अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए। रहवासियों से चर्चा की गई, रहवासियों ने बताया कि डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन विगत 2 दिनों से नही आ रहा है, साथ ही यहां पर चेंबर ओव्हरफ्लो होने की शिकायत करने पर आयुक्त द्वारा संबंधित को आवश्यक व्यवस्थाऐं करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही बक्षीबाग क्षेत्र में नर्मदा नल कनेक्शन के माध्यम से बडी मात्रा में पानी अपव्यय होने पर जिनके द्वारा पानी बहाया जा रहा है उनको नल कनेक्शन काटने की चेतावनी देने के कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निर्देश दिये गये।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सदभावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हैल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

राज्य और वन सेवा की परीक्षा तारीख तय

इंदौर। लोकसभा चुनाव को लेकर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) को अपनी आगामी सारी परीक्षाएं रिशेड्यूल करना पड़ी है। निर्वाचन कार्यों में अधिकारियों की ड्यूटी होने के चलते अप्रैल-मई में एक भी परीक्षा नहीं रखी है। ये सारी परीक्षाएं जून से करवाई जाएगी।वैसे जून में तीन परीक्षाएं रखी गई है, जिसमें आठ विषयों में 820 से अधिक रिक्त पदों के लिए सहायक प्राध्यापक की परीक्षा होगी, जो 9 जून को रखी गई है। वैसे इन दिनों सहायक प्राध्यापक में उन उम्मीदवारों से आवेदन मांगवाएं जाएंगे, जिन्हें अतिथि विद्वान का अनुभव व दस वर्ष की आयु सीमा से वंचित रखा गया था। बिना विलम्ब शुल्क के आवेदन 5 से 13 अप्रैल तक किए जा सकेंगे। हालांकि सहायक प्राध्यापक के साथ ही 129 खेल अधिकारी और 200 ग्रंथपाल के पद रखे है।राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 पहले अप्रैल में करवाई जाना थी, लेकिन अप्रैल-मई के बीच अलग-अलग चरणों में मतदान है। ऐसे में परीक्षा करवाने में आयोग को थोड़ी दिक्कतें आ रही थी। सरकारी कालेज को बनाए केंद्र पर स्टाफ की ड्यूटी निर्वाचन कार्य में लगाई थी। 110 पदों के लिए ढाई लाख अभ्यर्थियों का ध्यान रखते हुए आयोग ने परीक्षा शेड्यूल में बदलाव किया। 23 जून से परीक्षा होगी।

वहीं जून आखिर में राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2023 भी रखी गई है। 140 पदों के लिए होने वाली परीक्षा में 2961 उम्मीदवार बैठेंगे। 12 सहायक वन संरक्षक और 128 क्षेत्रपाल के रिक्त पद रखे है। आयोग ने यह परीक्षा 30 जून को करवाना का फैसला लिया है। आयोग के मुताबिक, जुलाई से दिसंबर के बीच 9 अन्य भर्ती परीक्षा भी रखी है। इनका शेड्यूल पोर्टल पर अपलोड कर दिया है।

मेडिकल कालेज में होंगे आंखों के ऑपरेशन

● एमजीएम मेडिकल कालेज में लगी 8 करोड़ की मशीन

इंदौर। अभी तक प्राइवेट अस्पतालों में होने वाले आंखों के चश्मे के नंबर हटाने या घटाने के लेसिक लेजर ऑपरेशन अब गवर्नमेंट यानी एमजीएम मेडिकल के आई सेंटर में भी होंगे। यहां पर 8 करोड़ रुपए की मशीन से रीफ्रेक्टिव सर्जरी यूनिट तैयार की गई हैं। इससे प्राइवेट अस्पतालों की तुलना में आधी या उससे भी कम कीमत में लेसिक सर्जरी हो सकेगी।

आंखों की लेजर सर्जरी में कई अत्याधुनिक मशीनें आ गई है। अब यह सुविधा शहर के एमजीएम आई सेंटर में भी उपलब्ध हो गई है। पिछले दिनों ही 8 करोड़ रुपए लागत की मशीन इस सेंटर को मिली है। देशभर में इस तरह की अत्याधुनिक लेसिक सर्जरी करने वाली मशीनें गिनती की ही है, जो ब्लेड रहित लेसिक सर्जरी करने में सक्षम है।

पिछले कई सालों से चश्मों को हटाने के लिए लेसिक सर्जरी की जाती रही है लेकिन यह सुविधा केवल प्राइवेट अस्पतालों या आई क्लीनिक्स में ही मौजूद है। इसके लिए उनके द्वारा मोटी रकम वसूली जाती है। अधिकांशतः महिलाओं और युवतियों द्वारा इस तरह के ऑपरेशन करवाए जाते हैं। उन्हें मोटे चश्में पसंद नहीं होते है। इस ऑपरेशन के बाद अधिक नम्बरों के मोटे चश्मे हट जाते हैं और कई मरीजों को तो जिनके कम नम्बर रहते हैं उन्हें इस सर्जरी के बाद चश्मा लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ती।

प्रदेशभर के 7 लाख से अधिक एसटी-एससी छात्र-छात्राओं को नहीं मिली छात्रवृत्ति

भोपाल। छात्रवृति के सहारे पढ़ाई कर रहे अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। दरअसल पिछले दो साल से प्रदेश के करीब 7 लाख से अधिक अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति नहीं मिल पा रही है। इस संदर्भ में सरकार ने भी स्वीकार किया है कि अफसरों की लापरवाही के कारण छात्रवृत्ति अटकी हुई है। दरअसल, केंद्र सरकार से 9वीं- 10वीं एवं 11वीं तथा 12वीं के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का 468 करोड़ रुपए नहीं मिला। इसके चलते राज्य सरकार

सरकार ने माना अफसरों की लापरवाही में अटकी छात्रवृत्ति

द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं किया जा रहा है। शिक्षा विभाग का कहना है कि छात्रवृत्ति योजनाओं के आवेदन वेरिफिकेशन एवं स्वीकृति का कार्य पूर्ण किए जाने के लिए निर्देश दिए गए है, परन्तु कार्य की प्रगति अपेक्षा से बहुत कम है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 28 मार्च को एक पत्र समस्त संभागीय संयुक्त संचालक एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को लिखा है, जिसमें कहा गया है कि अनुसूचित जाति, जनजाति कार्य विभाग की प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं का क्रियान्वयन वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के लिए जनजातीय कार्य विभाग के पोर्टल से किया जा रहा है। छात्रवृत्ति स्वीकृति का कार्य पूर्ण किए जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं, लेकिन कार्य प्रगति अपेक्षा से बहुत कम है। शिक्षा विभाग ने कहा- वर्ष 2022-23 में पंजीकृत विद्यार्थियों को वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के लिए फॉरवर्ड किया गया है। जिनकी स्वीकृति के लिए संकुल प्राचार्य स्तर पर पालक की आय, संकाय एवं छात्रावासों, गैर छात्रावासी को संशोधित किए जाने के लिए सुविधा दी गई है। तकनीकी त्रुटि के सुधार उपरांत ही त्रुटिहीन छात्रवृत्ति स्वीकृति की जाए ताकि पात्रता से भिन्न भुगतान न हो पाए। पत्र में कहा गया है कि छात्रवृत्ति योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा मुख्य सचिव द्वारा प्रतिदिन की जा रही है। इसलिए 2022-23 एवं 2023-24 की छात्रवृत्ति का भुगतान 31 मार्च तक दिया जाए।

महाविद्यालय में मतदाता साक्षरता क्लब का गठन

इंदौर। इंदौर जिले में मतदाताओं विशेषकर युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में इंदौर जिले के सभी महाविद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब का गठन किया जा रहा है। जिले के अधिकांश महाविद्यालयों में इस तरह के क्लब गठित हो चुके है। इससे बड़ी संख्या में युवा जुड़ गये है। क्लब के सदस्य महाविद्यालयीन युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करेंगें। ऐसा ही एक क्लब पिछले दिनों देपालपुर के शासकीय भागीरथ सिलावट महाविद्यालय में भी गठित किया गया।

कालेजों की मुश्किलें बढ़ीं, सिलेबस और विषय तय नहीं

इंदौर। देशभर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू करने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य है। यहां 2020-21 सत्र से तीन के बजाय चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम किए जा चुके हैं। तीन साल बाद अब छात्र-छात्राओं की पहली बैच चौथे वर्ष में प्रवेश लेंगी, लेकिन अभी तक सिलेबस व विषय तय नहीं हुए हैं। यह काम उच्च शिक्षा विभाग को करना है, मगर बीए, बीकाम, बीएससी सहित अन्य पारंपरिक स्नातक पाठ्यक्रम में विषय व उसका सिलेबस के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। न ही विभाग से कोई गाइडलाइन जारी की है। ऐसे में जुलाई से शुरू होने वाले 2024-25 सत्र में कालेजों में चौथे वर्ष की कक्षाएं किस आधार पर लगाई जाएंगी। कालेजों के अलावा विद्यार्थियों के सामने भी असमंजस की स्थिति है, क्योंकि चौथे वर्ष में प्रवेश संबंधित मापदंड के बारे में भी जानकारी नहीं है।एनईपी सिर्फ पारंपरिक स्नातक पाठ्यक्रमों पर लागू है। इसके माध्यम से बीए-बीकाम और बीएससी जैसे पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। इन्हें आनर्स का दर्जा रहेगा। प्रवेश से पहले विद्यार्थियों के तीनों वर्ष के सीजीपीए निकालेंगे, जो 7.5 के ऊपर होना चाहिए। तभी ये चौथे वर्ष में दाखिले को लेकर पात्र होंगे। अब समस्या यह है कि एनईपी को लेकर न तो टाइम टेबल और न परीक्षा व परिणाम समय पर आते हैं।

मार्कशीट भी महीनों इंतजार करने के बाद मिलती है। इसके चलते सीजीपीए का फार्मूला भी विद्यार्थियों को नहीं पता है। वैसे इसके बारे में कालेज भी कुछ नहीं बता सकते हैं। शिक्षाविद् के मुताबिक 7.5 सीजीपीए के लिए तीनों वर्ष के क्रेडिट पाइंट 60-70 फीसद अंक के सामना होना चाहिए।

विदेश में मिलेगा फायदा

चार वर्षीय पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए काफी फायदेमंद है, जो विदेशों में आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं। वहां कुछ संकाय के पीजी कोर्स एक वर्षीय होते हैं। इनमें प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को 12वीं के बाद चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम किया होना अनिवार्य है, जबकि यहां चौथे वर्ष की पढ़ाई के बाद विद्यार्थियों को सीधे पीजी फाइनल ईयर में प्रवेश दिया जाएगा। परंतु अभी इसे लेकर भी नियम तय होना बाकी है। वहीं बीबीए-बीसीए करने वाले विद्यार्थियों को एनईपी का फायदा नहीं मिलेगा। इनके लिए उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से दिशा-निर्देश नहीं आए हैं। हालांकि चौथे वर्ष की पढ़ाई करने के बावजूद इन्हें दो साल का पीजी में दाखिला लेना होगा।

कालेजों को लेना पड़ी संबद्धता

एनईपी के अंतर्गत चार वर्षीय पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके लिए कालेजों को आनर्स पाठ्यक्रम की संबद्धता लेनी पड़ी है। कालेजों ने आवेदन कर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आनर्स का संबद्धता शुल्क जमा कर दिया। यह एक लाख से सवा लाख रुपये के बीच दी है। मगर शैक्षणिक संस्थानों को यह नहीं पता है कि आनर्स विषय में कितने विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। या कितने छात्र-छात्राएं आनर्स पाठ्यक्रम में रुचि दिखाते है। अब कालेजों में चौथे वर्ष की कक्षाएं लगाने के लिए अलग से शिक्षक बुलाना होंगे।

डीएवीवी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की परीक्षा नहीं हुई

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में विभिन्न लॉ पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की पहले सेमेस्टर की परीक्षा नहीं हुई है। आठ महीने सेमेस्टर पिछड़ने से छात्र-छात्राएं परेशान हैं। परीक्षा नहीं होने की पीछे असल वजह यह है कि चार लॉ कालेजों के पास दस्तावेज अधूरे हैं। इसके चलते संबद्धता और मान्यता जारी नहीं हुई है। सोमवार को विश्वविद्यालय में परीक्षा के संबंध में बैठक बुलाई है, जहां परीक्षा विभाग कुलपति डा. रेणु जैन के समक्ष कालेजों की स्थिति रखेंगे। उसके बाद परीक्षा को लेकर फैसला किया जाएगा। विश्वविद्यालय के दायरे में आने वाले 18 कालेजों से बीएएलएलबी, बीकाम एलएलबी, बीएससी एलएलबी, एलएलबी आनर्स सहित अन्य विधि पाठ्यक्रम संचालित होते है। इनमें से 14 संस्थानों ने दस्तावेज विश्वविद्यालय में जमा कर दिए हैं। संबद्धता जारी भी की गई है, मगर कुछ कालेजों में कागजात अधूरे होने से संबद्धता रोकी गई है। यहां तक कि बार काउंसिल आफ इंडिया ने भी मान्यता नहीं दी। लॉ कालेज में रजिस्टर्ड 13 हजार छात्र-छात्राएं हैं। नियमानुसार परीक्षा दिसंबर-जनवरी के बीच होना चाहिए। मगर अप्रैल शुरू होने तक भी विश्वविद्यालय टाइम टेबल घोषित नहीं कर पाया है। कारण यह है कि ये कालेज लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। विश्वविद्यालय भी इन्हें पूरी छूट दे रहा है। इसके चलते विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम समयावधि में पूरा नहीं हो पाता है। इसका असर इनकी सनद पर पड़ता है। सोमवार को परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी और कुलपति डा. रेणु जैन के बीच बैठक होगी, जिसमें कालेजों से जुड़े विषय पर चर्चा होंगे। वैसे विश्वविद्यालय ने यह तय किया है कि 15 अप्रैल तक विद्यार्थियों से आवेदन मंगवाए जाए। उसके बाद सप्ताहभर के भीतर परीक्षा करवाएंगे। इस बीच टाइम टेबल भी निकाला जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डा. तिवारी का कहना है कि बैठक के बाद परीक्षा को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

पहले सेमेस्टर के अलावा विधि पाठ्यक्रम के तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षा भी नहीं हुई है। यह परीक्षाएं भी अप्रैल तीसरे सप्ताह बाद करवाई जाएगी, क्योंकि दोनों सेमेस्टर के पेपर सेट नहीं हुए है।

विश्वविद्यालय ने इसके लिए विषय विशेषज्ञों को जल्द ही पेपर बनाने पर जोर दिया है। यह काम दस दिनों के भीतर पूरा करना होगा। तभी 20 अप्रैल बाद परीक्षा करवाई जा सकेंगी।

एमएसएमई उद्योग को 45 दिन में मिलेगा भुगतान, विफल रहने पर कारोबारियों को खर्च के बजाय देना होगा कर

नईदिल्ली, एजेंसी। सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले यानी एमएसएमई उद्योगों को आज से किसी भी कारोबार का 45 दिन में पैसा मिल जाया करेगा। अगर कोई कारोबारी 45 दिन में भुगतान नहीं करता है तो उसके खाताबही में इस देनदारी को आय मान लिया जाएगा और इस पर उसे टैक्स देना होगा। हालांकि, अगर वह इसका देरी से भुगतान करता है तो उसे अगले वित्त वर्ष में टैक्स के सामने इस रकम को समायोजित किया जा सकता है।

दरअसल, नए नियमों के तहत सेक्शन 43 बी (एच) को चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 से लागू किया जाना है जो एक अप्रैल से होगा। इसके तहत अगर एमएसएमई और कारोबारी के बीच करार हुआ है तो इस आधार पर एमएसएमई को 45 दिन में पैसा मिलना चाहिए। एमएसएमई के लिए तो वैसे यह नियम अच्छा है, पर उनको डर भी है कि इससे बड़े खरीदार उनसे सौदा तोड़ सकते हैं। वे किसी और साधन से खरीद सकते हैं। नियमों के मुताबिक, वो एमएसएमई जो सरकार के उद्यम में पंजीकृत नहीं हैं या ऐसे कारोबार जो एमएसएमई में नहीं आते हैं, कारोबारी ऐसे लोगों से खरीद बढ़ा देंगे। क्योंकि यहां पर 45 दिन का नियम लागू नहीं है।

वहीं, यूपी कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी का कहना है कि नए नियम को कारोबारी समझ नहीं पाए हैं। खुदरा कारोबार पहले से प्रभावित हैं। इस नियम को एक साल के लिए बढ़ाने की मांग वित्तमंत्री से की गई थी। इससे पहले, फरवरी में कई राज्यों के उद्योग संगठनों से वित्त मंत्रालय से अपील की थी कि इस योजना को अगले वित्त वर्ष यानी अप्रैल, 2025 से लागू किया जाए। तब तक कारोबारी इसे समझ लेंगे और अपनी तैयारी कर लेंगे। लेकिन वित्त मंत्रालय ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया। वैसे जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में यह संभावना है कि इस योजना को टाला जा सकता है।

इंफोसिस को मिलेगा बड़ा रिफंड, एक्सपर्ट बोले-मुनाफे के लिए खरीदो

नईदिल्ली, एजेंसी। आईटी सेक्टर की कंपनी इंफोसिस को आयकर विभाग से 6329 करोड़ का टैक्स रिफंड मिलने वाला है। इस बीच, सोमवार को इंट्रा-डे डील में इंफोसिस के शेयर 2 प्रतिशत उछलकर 1,528 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। बता दें कि 6 फरवरी 2024 को यह शेयर 1,731 रुपये तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

यह शेयर अपने 52-सप्ताह के उच्चतम की तुलना में लगभग 12.5 प्रतिशत कम पर कारोबार कर रहा है। आईटी सेक्टर की इस कंपनी के शेयर पर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। हाल ही में ब्रोकरेज बीएनपी पारिबा ने इंफोसिस को 2000 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है।

क्या है रिफंड की डिटेल

इंफोसिस के मुताबिक कंपनी को 6329 करोड़ (ब्याज समेत) रिफंड की उम्मीद है। यह रिफंड वित्त वर्ष 2007-08 से 2018-19 तक का है। हालांकि, इसमें वित्त वर्ष 2016-17 का रिफंड नहीं है। वहीं, आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए इंफोसिस को 2763 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस भी भेजा है। इसके अलावा कंपनी को असेसमेंट ईयर 2011-12 के लिए ब्याज सहित 4 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड ऑर्डर मिला है।

बता दें कि इंफोसिस 18 अप्रैल, 2024 को अपने मार्च तिमाही के नतीजे दाखिल करने वाली है। ऐसा अनुमान है कि रिफंड का असर कंपनी के तिमाही नतीजे पर देखने को मिल सकता है। इंफोसिस को सहायक कंपनियों के लिए भी कुल 277 करोड़ रुपये के असेसमेंट ऑर्डर मिले हैं।

कंपनी के दिसंबर तिमाही के नतीजे

इंफोसिस के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो 31 दिसंबर 2023 तक कंपनी में प्रमोटरों की 14.78 फीसदी हिस्सेदारी थी, जबकि एफआईआई के पास 33.7 फीसदी, डीआईआई के पास 35.37 फीसदी हिस्सेदारी थी। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 39610 करोड़ रुपये की कुल आय दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही से 1.34 प्रतिशत अधिक है। इंफोसिस को दिसंबर तिमाही में 6113.00 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था।

NTPC Green Energy Limited Opens Doors To 63 Executive Engineer Positions

The National Thermal Power Corporation (NTPC) Green Energy Limited has recently announced several job opportunities for E&ecutive Engineer posts in the organisation. Interested and eligible candidates for the vacant posts can access the official website of NTPC to apply online at ntpcrel.co.in.

The online registration process began on March wv and will conclude on April vx. Ahead of the due date of the application window, let us take a look at the details of the NTPC recruitment drive.

Vacancy

As per the notification, the organisation is going to recruit as many as {x candidates through the recent hiring process. It includes several vacant seats under the e&ecutive and engineer positions including civil, electrical, mechanical, human resource, CDM, finance, IT, and corporate communication.

Eligibility

While the educational requirement for the candidates applying for the job needs different qualifications varying from one post to another, there are some common criteria as well. It includes the candidates to have a degree/ BE/ B. Tech/ CA with at least {® per cent of marks from a recognised university or institution. For detailed information, one can access the official notification on the website.

Apart from that, the age limit for the candidates to apply for the NGEL E&ecutive Engineer is wv to x® years. There will be significant rela&ation in the upper age limit for the candidates belonging to the reserved category.

Application Fees

According to the official notification, candidates belonging to the General/ EWS/ OBC category will have to pay a non-refundable application amount of Rs z®®. While the candidates from SC/ ST/ PwBD categories and women candidates are e&empted from paying any application fees.

जीएससी फ्रेंड सर्कल की होली हुर्रे कपल पार्टी में दिखा मस्ती का रंग

इंदौर। जीएससी फ्रेंड सर्कल की होली हुर्रे कपल पार्टी रंग बरसे विजय नगर में संपन्न हुई। गुजराती साइंस कॉलेज सीनियर मित्रों में होली और मस्ती का रंग खूब चढ़ा। होस्ट अनिल रेखा जौहरी और प्रदीप स्मिता जौहरी ने अतिथि मित्रों का स्वागत गुलाल से तिलक लगाकर किया। रूतिका प्रियेश पारीख और करिश्मा जौहरी ने तीली-केंडल गेम से सबको आनंदित किया। गेम के विजेता डॉ. दिलीप सिंधु वागेला रहे। स्मिता जौहरी और उषा रानी टोंग्या ने तम्बोला का संचालन रोचक अंदाज में किया। अनिल जौहरी ने आयोजन की रुपरेखा पर प्रकाश डालते हुवे सभी से ÷जल बचाओ, रिचार्जिंग अपनाओ÷ की अपील की। संचालन प्रदीप टोंग्या ने किया। ये थे होली हुर्रे मे मौजूद...

आशुतोष हंसा राव, डॉ. संजय काले, दिनेश गोयल, योगेश अमितासिंह रघुवंशी, पियूष प्रीति शाह, अनिल अनुपमा भटेवरा, राजेंद्र वंदना पांडे, डॉ. दिलीप सिंधु वागेला, अनिल रेखा जौहरी, राजेंद्र दम्मानी, प्रदीप उषा रानी टोंग्या, राजेश गुप्ता, प्रदीप स्मिता जौहरी दिनेश जोशी, सीता बंसल, रूतिका प्रियेश पारीख, करिश्मा जौहरी आदि उपस्थित थे।

फैशनेबल ड्रेसेज और एसेसरीज से भरा रहे आपका वॉर्डरोब

फैशन ट्रेंड की भविष्यवाणी थोड़ा मुश्किल काम है। आज जो ट्रेंड है, वह कल होगा या नहीं, इसके बारे में पूरी तरह से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह भी पूरी तरह से सच नहीं है कि आप लिटेस्ट फैशन को जज न कर सकें। वैसे भी कुछ बेसिक आइटम्स की जरूरत हमेशा बनी रहती है। इन्हें अपने वॉर्डरोब में शामिल करके अपने वॉर्डरोब को फैशनेबल बना सकती हैं। आप अपने वॉर्डरोब में कुछ टाइमलेस ड्रेसेज, ज्वैलरी और फुटवियर्स शामिल करें, ये आपके काम आएंगे।

हर किसी की चाहत होती है कि उसका वॉर्डरोब फैशनेबल ड्रेसेज और एसेसरीज से भरा रहे। अपने वॉर्डरोब को फूल करने के चक्कर में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि फैशन का ट्रेंड बदलता रहता है। ऐसे में सबसे बेस्ट ऑप्शन यह है कि एक टाइमलेस वॉर्डरोब के बारे में सोचा जाए।

वाइट शर्ट

फैशन डिजाइनर सौमित्र कुमार की मानें, तो वॉर्डरोब के लिए वाइट टेलर्ड शर्ट सबसे जरूरी है। दरअसल, वाइट शर्ट या टॉप के साथ कुछ भी मैच करके पहना जा सकता है। वाइट शर्ट के साथ कोई भी एसेसरीज आसानी से मैच हो जाती हैं। आप चाहें तो वाइट शर्ट में डिफरेंट कट्स, स्टाइलिश स्लीव्स या फंकी कॉलर्स डिजाइन करवा सकती हैं। वहीं, फैब्रिक में सिल्क, शिफॉन व जॉर्जेट टेक्सचर ट्राई करें। इन फैब्रिक्स में फिटिंग भी बहुत अच्छी आती है और इन्हें हर सीजन में पहना जा सकता है।

शिफ्ट ड्रेसेज

अक्सर लड़कियां किसी ओकेजन को ध्यान में रखकर ड्रेसेज परचेज करती हैं। यही वजह है कि अगर उन्होंने फॉरमल ओकेजन के लिए ड्रेस ली है, तो वह उसे नाइट पार्टी में पहनना बिल्कुल पसंद नहीं करती हैं। ऐसे में शिफ्ट ड्रेसेज बेस्ट ऑप्शन हैं। इन्हें आप डे व नाइट दोनों मौकों पर पहन सकती हैं। दरअसल, एक सिंपल ड्रेस से भी मैजिक क्रिएट किया जा सकता है। जरूरी यह है कि उसे स्मार्टनेस के साथ कैरी किया जाए। शिफ्ट ड्रेसेज पहनने से फेमिनिन लुक तो आता ही है तथा इन्हें कैरी करके आप और भी ज्यादा स्टाइलिश लग सकती हैं।

जैकेट

यदि आप एक ही ड्रेस पहनकर बोर हो गई हैं तो जैकेट के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। इन दिनों मिलिट्री जैकेट ट्रेंड में है। इन्हें आप सॉलिड कलर्स में ले सकती हैं। इससे आपको क्लासिक लुक मिलेगा। यदि आप नाइट आउट पर जा रही हैं तो शाइनी जैकेट बेस्ट ऑप्शन है। इसे आप लेगिंग्स के साथ मैच करके पहन सकती हैं। इससे आपको पूरा पार्टी लुक मिलेगा और आप काफी ग्लैमरस लगेंगी।

ब्लैक ड्रेसेज

कोई भी वॉर्डरोब ब्लैक ड्रेसेज के बिना कम्प्लीट नहीं होता है। इसे किसी भी ओकेजन पर पहना जा सकता है। चाहे आप स्लिम दिखना चाहती हों या अपने लुक में क्विक चेंज चाहती हों, ब्लैक ड्रेस के साथ हल्की-फुल्की ज्वैलरी कैरी करें। इसका मिक्स एंड मैच स्टाइल से खुद को डिफरेंट लुक दिया जा सकता है। ब्लैक ड्रेस के साथ सिल्वर जूलरी बहुत फबती है। आप इनके साथ अपने वॉर्डरोब में ट्रेंडी शूज भी शामिल कर सकती हैं। इनके कलर सीजन के मुताबिक चुनें। इन्हें आप सिल्वर, गोल्ड और प्लेन ब्लैक में चुन सकती हैं। यह आपकी पर्सनैलिटी पर खूब फबेगा।

जींस

हर किसी के पास एक पेयर जींस होना लाजिमी है, लेकिन उसका फिट होना भी बहुत जरूरी है। फैशन डिजाइनर सौम्या अरोड़ा कहती हैं, जींस हर ऐज में और हर ओकेजन में पहन सकती हैं। यह जरूरी नहीं है कि जींस ब्रांडेड ही हो। आप जींस के साथ खूब एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं। अगर आप कैजुअल आउटिंग पर जा रही हैं, तो इसके साथ बैगी टी-शर्ट व स्नीकर्स पहन सकती हैं। यदि आप को पार्टी में जाना है तो जींस के साथ स्टाइलिश टॉप और हाई हील्स ट्राई कर सकती हैं। यह ध्यान रखें कि जींस की क्वॉलिटी अच्छा हो।

पर्ल

जिस तरह डायमंड हर एज ग्रुप के लिए परफेक्ट हैं। वैसे ही पर्ल भी कभी फैशन से आउटडेटेड नहीं होते हैं। आप एसेसरीज में पर्ल नेकलेस या बैंगल्स जरूर रखें। इन्हें आप हर तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप रियल पर्ल नेकलेस पसंद नहीं करती हैं तो फेक नेकलेस खरीद सकती हैं।

बच्चे को सारी सुविधाएं देने के साथ-साथ उन पर निगरानी

प्रतिस्पर्धा और दिखावे के मौजूदा दौर में अभिभावकों की इच्छा होती है कि उनका बच्चा किसी भी मामले में कम न रहे। इसके चलते वे अपनी संतानों को सहूलियत, पढ़ाई और 'ज़माने के साथ चलने' के नाम पर विभिन्न चीज़ें प्रदान करते हैं, कई बार तो सामर्थ्य से भी बढ़कर। वैसे तो कोई भी वस्तु या सुविधा अपने आप में बुरी नहीं होती, लेकिन दो सिद्धांत यह निर्धारित कर सकते हैं कि वह लाभदायक होगी या हानिकारक। बच्चों पर मोबाइल फोन, गाड़ी, इंटरनेट कनेक्शन, ओटीटी सब्सक्रिप्शन, क्रेडिट कार्ड आदि सुविधाओं के असर का आकलन इन पैमानों पर किया जा सकता है कि उसे फ़ायदे की जगह नुक़सान तो नहीं हो जाएगा और माता-पिता के लिए अप्रिय स्थिति तो पैदा नहीं हो जाएगी।

कई बार काम में व्यस्त माता-पिता छोटे बच्चों को बहलाए रखने या मनोरंजन के लिए मोबाइल फोन थमा देते हैं। इस उम्र में मोबाइल का चमकता स्क्रीन बच्चे की आंखों पर स्थायी रूप से बुरा असर छोड़ सकता है। इसके अलावा, उसके सामाजिक समायोजन और भाषा के विकास पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। स्क्रीन की हलचल और किरदारों की नाटकीयता के चलते भावनाओं का प्रदर्शन और एकाग्रता भी प्रभावित होती है। इस दौरान भले ही बच्चा शांत बैठा रहे, पर यह उसके शारीरिक विकास को अवरुद्ध करता है। हर बार मोबाइल थमा दिए जाने से उसमें ज़िद करने और अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

6-12 वर्ष

इस उम्र के पढ़ाई के नाम पर मोबाइल फोन और इंटरनेट की सुविधा दी जाने लगी है। वैसे तो कोरोना के ऑनलाइन दौर में यह मजबूरी थी, परंतु अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं लगती। विशेषज्ञ कहते हैं कि बढ़ते बच्चों को इंटरनेट पर फटाफट सर्च करके पके-पकाए नतीजे हासिल करने के बजाय मेहनत करके किताबों में खोजने की आदत डालनी चाहिए। इससे उनकी बुनियाद मज़बूत होगी। यही वजह है कि तमाम कैलकुलेटर उपलब्ध होने के बावजूद बच्चों से गणित का अभ्यास कराया जाता है और तथ्य याद कराए जाते हैं। इस उम्र में इंटरनेट की अधिक मदद लेने से परिश्रम करने, दिमाग़ लगाने, चीज़ों को समझने की प्रवृत्ति कम हो जाती है, आंखों को नुक़सान पहुंचता है सो अलग। दूसरी तरफ़, मोबाइल गेम, सोशल मीडिया और विभिन्न तरह के वीडियो देखने की लत भी लग सकती है। समझ के अभाव में कई बार बच्चे ऑनलाइन ग़लत लोगों से दोस्ती कर लेते हैं और साइबर बुलिंग या धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। स्क्रीन टाइम की अधिकता उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। इससे बच्चों में नींद और एकाग्रता की कमी भी देखी जाती है।

13-18 वर्ष

किशोरवय के इस दौर में अभिभावकों को बच्चे की ज़रूरत के साथ-साथ उसके शौक़, फ़ैशन और पीयर प्रेशर का ध्यान भी रखना होता है। इस उम्र में मोबाइल फोन और इंटरनेट के अलावा दुपहिया वाहन, स्मार्टवॉच जैसी चीज़ें भी दिलाई जाने लगी हैं। इस समय इंटरनेट की सीमित ज़रूरत हो सकती है, लेकिन बड़ों की निगरानी में और सिर्फ़ पढ़ाई के उद्देश्य से। ऐसा न हो तो इंटरनेट के असीमित उपयोग से बच्चा वास्तविक और काल्पनिक दुनिया में अंतर नहीं रख पाएगा और संभव है कि वास्तविक दुनिया से उसका संपर्क कट जाए। अभिभावकों की निगरानी न होने पर ऑनलाइन गेम, अनजान लोगों से दोस्ती, पोर्न की लत जैसे बड़े ख़तरे भी हो सकते हैं। जहां तक स्मार्टवॉच जैसी सुविधा का सवाल है, तो वह स्कूल में भी ध्यान भटकाएगी और स्मार्टफोन से लगातार जोड़े रखेगी, जिसका कोई लाभ नहीं है। उन्हें वाहन देना भी जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि इस उम्र में रोमांच की चाह तो होती है, पर निर्णय क्षमता गतिविधियों के नतीजों की समझ पूर्ण विकसित नहीं होती। एक अध्ययन का निष्कर्ष है कि वयस्कों की तुलना में किशोरवय वाहन चालकों से दुर्घटना की आशंका चार गुना अधिक होती है।

18 वर्ष से अधिक

इस उम्र में बच्चे पढ़ाई के लिए कई बार अपने घर से दूर भी जाकर रहते हैं, इसलिए मोबाइल फ़ोन, इंटरनेट, गाड़ी के साथ-साथ क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधा भी ज़रूरी लगने लगती है। हालांकि इनसे पूरी तरह वंचित नहीं किया जा सकता, लेकिन उपयोग को सीमित अवश्य किया जाना चाहिए। जैसे, क्रेडिट की एक लिमिट होनी चाहिए और उसे अभिभावक के फोन नंबर से लिंक्ड होना चाहिए, ताकि हर ख़र्च की जानकारी उन तक पहुंचे। वाहन भी दिखावे के बजाय आवागमन में सुविधा के लिए ख़रीदा जाना चाहिए।

बदलाव ऐसे लाएं

अक्सर देखा गया है कि जब बच्चे सुविधाओं का दुरुपयोग करने लगते हैं तो अभिभावक उनसे वह सब वापस ले लेते हैं। इससे बच्चे विद्रोही भी हो जाते हैं। ऐसे मामलों में माता-पिता इन बातों का ध्यान रखें-

- माता-पिता पहले बच्चों के साथ बातचीत करें और उन्हें समझाएं कि इस सुविधा को कम करने या वापस लिए जाने की आवश्यकता क्यों है।
- नियम बनाएं कि छोटे बच्चे मोबाइल फोन का इस्तेमाल अभिभावक की निगरानी में ही करेंगे और जिस काम से मोबाइल लिया गया है, उसी तक सीमित रहेंगे।
- ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नकारात्मक और हिंसक कार्यक्रमों के लिए हतोत्साहित करें। ओटीटी प्लेटफॉर्म, सर्च इंजन, वीडियो आधारित सोशल मीडिया पर रिस्ट्रिक्टेड मॉड का उपयोग करके अनुचित वेबसाइट/की-वर्ड्स को अवरुद्ध किया जा सकता है।
- कोई भी चीज़ या सुविधा कभी भी सज़ा के तौर पर वापस ना लें।
- बच्चों से यह स्पष्ट कर दें कि प्राइवेसी के नाम पर असीमित छूट नहीं दी जाएगी। ख़ासतौर पर सोशल मीडिया पर माता-पिता फ्रेंडलिस्ट में रहेंगे और आवश्यक होने पर फ्रेंड्स के बारे में जानकारी भी लेंगे।
- सही तरीक़े से सुविधाओं का उपयोग करने पर माता-पिता बच्चों की प्रशंसा भी करें।
- हर सुविधा के उपयोग के लिए एक उपयुक्त समय सीमा निर्धारित करें। बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी अपने लिए सभी सुविधाओं के उपयोग का समय निश्चित रखें।
- बच्चों को सही और ग़लत में अंतर करना सिखाएं तथा उन्हें समय-समय पर नैतिक मूल्यों से अवगत कराएं।

प्रकृति और महिलाएं एक-दूजे की पर्याय

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है।

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है। तो क्यों ना संभलते हुए इन सब समस्याओं से निकलने के प्रयास किए जाएं क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही सार्थक होकर किसी बड़े कार्य को पूर्ण करेंगे। शायद पर्यावरण बचाव के यज्ञ में हर एक का योगदान एक-एक आहुति से कम न हो।

एक वृक्ष पहल

हमारे देश में प्रकृति व पृथ्वी को मां का ही दर्जा दिया है। सिर्फ इसलिए कि वे अपने पुत्रों व परिवार के संरक्षण के लिए समर्पित हैं इसलिए क्यों न हम अपने परिवार में एक ऐसी संस्कृति को पनपाएं जो प्रकृति के संवर्धन में भी जुटे और अपने पारिवारिक उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ सके। इसमें एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में परिवारजनों का जन्मदिन हो सकता है परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी के उस कर्ज की मुक्ति का रास्ता भी खोला जा सकता है। जिसमें हमने जो कुछ प्रकृति से लिया है या लेंगे उसकी वापसी का रास्ता भी बन सके। इससे प्रकृति प्रेम भी पनपेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए संस्कार भी तैयार होंगे। इसी तरह परिवार के अन्य कार्यों जैसे शादी, ब्याह, मुंडन इन सभी को पर्यावरण के किसी कार्य से जोड़ लेना चाहिए। ऐसा ही करके शायद हम अपनी प्रकृति को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपराओं का हिस्सा बना पाएंगे।

बिन पानी सब सून

बूंद-बूंद पानी की तरस को इस वर्ष तकरीबन 11 राज्यों के 33 करोड़ लोगों ने देखा है। सबसे बुरे हालात महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक के गांवों में रहे, जहां गांव के गांव पलायन करने को मजबूर हो गए। यहां तक की गले तर करने तक के लिए रेल के जरिए पानी को भेजा गया। यदि इसी तरह के हालात रहे तो यह सभी के लिए दुखदायी होंगे। इसलिए हम सभी को यह सोचना होगा कि जब पानी के बिना सब सूना है तो क्यों न बूंद-बूंद से ही घट भरा जाए। जब तक हम सचेत नहीं होंगे तब तक और किसी को नहीं सिखाया जा सकता है। तो क्यों न इस पानी बचाव की शुरुआत घर से ही प्रारंभ की जाए। घर के हर सदस्य को पानी की बचत के साथ पानी को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने होंगे तभी तो हम इसका संरक्षण कर पाएंगे।

महिलाओं का योगदान

इतिहास को खंगाले तो ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, पर्यावरण की रक्षा में हमेशा से महिलाओं को ही अग्रणीय पाया गया है। विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी गांव की सरल महिला थीं, जिसकी वन वृक्ष की लड़ाई विश्व प्रसिद्ध हुई।

आखिर पूरे हिमालय में वनों के प्रति यह संवेदनशीलता उस महिला को ही क्यों भायी? वनों के पतन की पीड़ा ने उन्हें ही क्यों झकझोरा था? बात गौरा देवी की ही नहीं बल्कि राजस्थान के विश्नोई समुदाय की भी है, जहां महिलाओं ने पेड़ों पर चिपककर उनके काटने का विरोध किया था। आखिर नोबेल पुरस्कार विजेता अफ्रीका की मथाई को ही करोड़ों वृक्षों को लगाने की सुध क्यों आई। ऐसे ही अपने देश व विदेशों की बहुत-सी कहानियां हैं, जिनमें महिलाएं वृक्षों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता दर्ज कर चुकी हैं। इतिहास गवाह है कि वन लगाने की बात हो या फिर इसको बचाने की मुहिम हो उस पर महिलाएं ही अग्रणी रही हैं। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा में सबसे पहले महिलाओं को ही याद किया जाता है ताकि उनके और प्रयास से हम आने वाले समय में भी कुछ बेहतर प्रयास कर सकें। असल में इसका कारण वृक्ष और महिलाओं की समान प्रवृत्तियां है। दोनों ही समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों के ही समान व्यवहार हैं। महिला और वृक्ष समाज के सृजन व बेहतरी के लिए बिना किसी शर्त के सदियों से सेवा में जुटे हैं। निस्वार्थता दोनों का मूल चरित्र है। इसलिए यह कहना कदापि अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दोनों के बिना प्रकृति पृथ्वी और समाज अर्थविहिन व पंगु कहलाएगा। सच यह है कि मूल भाव से दोनों ही एक-दूसरे को समझते ही नहीं है बल्कि पूरक भी हैं और अगर ऐसा नहीं होता तो क्यों महिलाएं वनों व वृक्षों से ज्यादा बेहतर तालमेल रखतीं। यह स्वतः ऐसी प्रक्रिया है जिससे प्रकृति व प्रवृत्ति की समान झलक दिखाई देती है।

आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है लिविंग रूम

घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं।

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं। आपकी सजावट पर हमें कोई शक नहीं है बस हम आपके ज्ञान में थोड़ी वृद्धि कर रहे हैं कि कैसे आप अपने लिविंग रूम को और बेहतर बना सकतीं हैं।

- कंट्रॉस- लिविंग रूम में दीवारों पर कंट्रॉस कलर ट्राई करें या दो रंगों से दीवारों को रंगें। यह रूम को थोड़ा हटके लुक देगा। रंगों में लाइट-डार्क, ब्लैक-व्हाइट, रेड-व्हाइट का कॉम्बिनेशन ले सकते हैं। इन्हीं में से किसी कलर कॉम्बिनेशन को चुन कर आप पूरे कमरे के लुक को डिसाइड कर सकतीं हैं।
- फूलदान - लिविंग रूम की सेंटर टेबल पर फूलों का गुलदस्ता रखें। इसके लिए नकली फूलों के साथ विशेष अवसर पर प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें। यह लिविंग रूम को सजाने का सबसे आसान और सीमित बजट में निपटने वाला तरीका है।
- फोटो फ्रेम्स- अपने लिविंग रूम को क्लासी और इमोशनल टच देने के लिए दीवार पर अपनी फैमेली की फोटो लगा सकते हैं। चाहे तो पूर्वजों की तस्वीरों को भी लिविंग रूम में जगह दे सकते हैं। इससे निश्चित रूप से आपके लिविंग रूम में शांति और सौम्यता का वातावरण आ जाएगा।
- पर्दे- लिविंग रूम में पर्दे लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि वे कमरे में आनेवाले प्राकृतिक उजाले को ना रोकें। आजकल पारदर्शी पर्दे चलन में हैं आप उन्हें इस्तेमाल कर सकतीं हैं या फिर अगर कुछ अलग करना चाहतीं हैं तो क्रोशिए से बने पर्दे लगाएं। ये मनचाहे रंग में मिल जाएंगे और कमरे में अंधेरा भी नहीं करेंगे और आपका कमरा शानदार दिखेगा।
- सेटअप- अपने फर्नीचर और एसेसरीज का सेटअप बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करें। कमर खचाखच भरा हुआ ना लगे इसका खास ध्यान रखें। अच्छी लाइटिंग स्कीम चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि कमरा व्यवस्थित लगे। साफ-सुथरा हो।

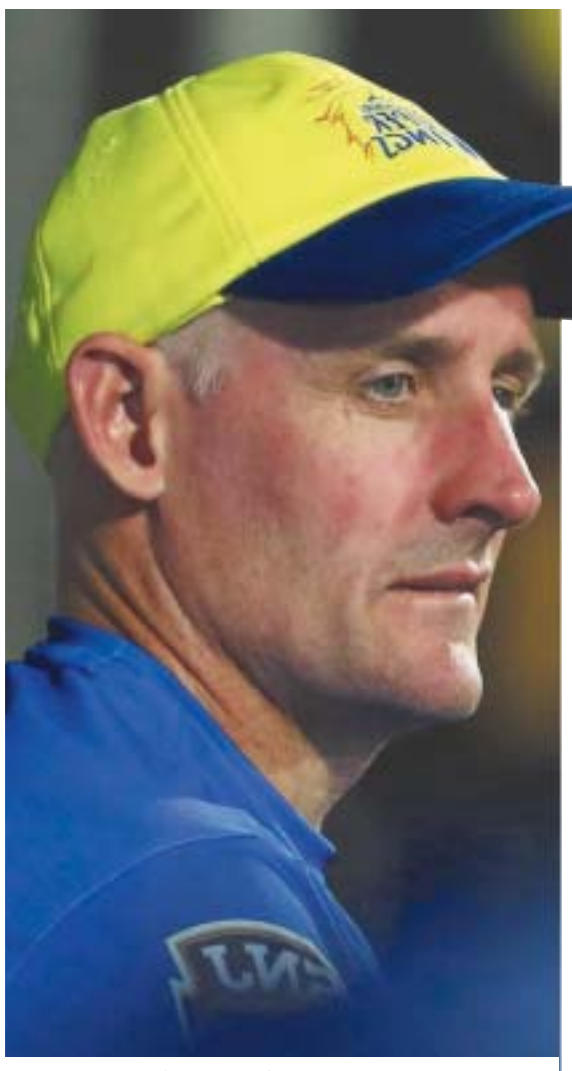

एमएस धोनी को लेकर माइक हसी की ये भविष्यवाणी हुई सच

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम विजय रथ पर सवार थी। टीम ने पॉइंट्स टेबल पर भी नंबर-1 का पायदान कब्जाया हुआ था। हालांकि सीएसके फैंस इसके बावजूद भी खुश नहीं थे। दरअसल, फैंस को पहले दो मैचों में अपने थाला यानी महेंद्र सिंह धोनी को बल्लेबाजी करते हुए देखने का मौका नहीं मिला था। विशाखापट्टनम में दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में फैंस इसी उम्मीद के साथ पहुंचे थे कि इस बार तो उन्हें माही बैटिंग करते हुए नजर आएंगे।

दरआसल, धोनी के टी20 करियर में आज तक ऐसा नहीं हुआ जब उन्होंने लगातार 3 मैच में बल्लेबाजी नहीं की हो। ऐसे में फैंस माही को रन बनाता देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आईपीएल के अधिकारिक एक्स अकाउंट पर माइक हसी का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कहते नजर आ रहे थे मैच के आखिरी ओवर के लिए मेरी भविष्यवाणी यह है कि एमएस धोनी बल्लेबाजी करेंगे। भीड़ दहाड़ रही होगी और एमएसडी छक्का मारकर मैच खत्म कर देंगे।

आईपीएल अब तक वर्ल्ड क्रिकेट में कोई नहीं कर सका ऐसा

महेंद्र सिंह धोनी ने रचा इतिहास...

विशाखापत्तनम, एजेंसी।

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने रविवार (31 मार्च) को क्रिकेट इतिहास में एक ऐसा रिकॉर्ड कायम किया है, जिसे अब तक दुनिया का कोई भी विकेटकीपर नहीं छू सका है. धोनी ने यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन में बनाया है.

दरअसल, रविवार को विशाखापत्तनम के मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला गया. इस मैच में धोनी ने स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की बॉल पर पृथ्वी शॉ को विकेट के पीछे कैच आउट किया.

कार्तिक के पास भी कामरान को पछाड़ने का मौका

इस तरह धोनी ओवरऑल टी20 क्रिकेट में 300 शिकार करने वाले दुनिया के पहले विकेटकीपर बन गए हैं. इस लिस्ट में पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल और भारत के दिनेश कार्तिक संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने बराबर 274 शिकार किए हैं. कार्तिक अब भी खेल रहे हैं. वो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे हैं.

ऐसे में उनके पास अभी कामरान को पछाड़ने का मौका है. इनके बाद तीसरे नंबर पर साउथ अफ्रीकी विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक (270) और इंग्लैंड के जोस बटलर (209) हैं. ये भी अभी क्रिकेट खेल रहे हैं.

टी20 क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शिकार

300 - महेंद्र सिंह धोनी*
274 - कामरान अकमल
274 - दिनेश कार्तिक
270 - क्विंटन डिकॉक
209 - जोस बटलर

धोनी ने इंटरनेशनल करियर (टेस्ट+वनडे+टी20) में कुल 332 मैचों में भारतीय टीम की कमान संभाली. जो बतौर कप्तान सबसे ज्यादा है. रिकी पोंटिंग ने 324 मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभाली थी. धोनी ने इन 332 मैचों मे से 178 मैचों में जीत दर्ज की, वहीं 120 में हार मिली. 6 मैच टाई रहे और 15 ड्रॉ रहे. माही ने 90 टेस्ट में 4876, 350 वनडे में 10773 और 98 टी20 इंटरनेशनल में 1617 रन बनाए. वहीं उन्होंने 250 आईपीएल मैचों में 5082 रन बनाए हैं.

ऋषभ पंत को झटका 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा

विशाखापत्तनम, एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली ने रविवार को खेले गए इस मैच में मौजूदा चैंपियन चेन्नई को 20 रन से हराया था। आईपीएल ने बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'आईपीएल आचार संहिता के तहत टीम का यह धीमी ओवर गति से जुड़ा सत्र का पहला अपराध है इसलिए पंत पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली ने यह मैच जीत कर इस सत्र में अपना खाता भी खोला। गौर हो कि विशाखापत्तनम के मैदान में क्रिकेट फैंस को विंटेज महेंद सिंह धोनी के दर्शन हुए जहां वह आखिरी ओवरों में खूब चौके-छक्के लगाते हुए दिखे। लेकिन धोनी की यह पारी भी चेन्नई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत नहीं दिला सकी। दिल्ली ने पहले खेलते हुए डेविड वॉर्नर और ऋषभ पंत के अर्धशतकों की मदद से 191 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी चेन्नई की शुरूआत खराब रही। लेकिन रहाणे और डेरिल मिशेल ने मैच को जिंदा रखा। अंत में महेंद्र सिंह धोनी ने 16 गेंदों पर 37 रन बनाए लेकिन तब तक देरी हो चुकी थी और चेन्नई को 20 रन से हार झेलनी पड़ी।

डेविड वॉर्नर की ऑरेंज कैप की रेस में धमाकेदार एंट्री

विशाखापत्तनम, एजेंसी।

रविवार 31 मार्च को आईपीएल 2024 के दो मुकाबले खेले गए। पहला मैच गुजरात टाइटंस वर्सेस सनराइजर्स हैदराबाद के बीच था जिसे जीटी ने 7 विकेट से जीता, वहीं दूसरा मैच दिल्ली कैपिटल्स वर्सेस चेन्नई सुपर किंग्स के बीच था, इस मुकाबले को डीसी ने 20 रनों से अपने नाम किया। इन दोनों ही शानदार मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं।

डेविड वॉर्नर और साई सुदर्शन की आईपीएल 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में एंट्री हुई है। वहीं मुस्तफिजुर का पर्पल कैप पर राज है, मगर मोहित शर्मा, खलील अहमद और मथीशा पथिराना जैसे गेंदबाज टॉप-5 में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। आईपीएल 2024 ऑरेंज कैप की रेस में फिलहाल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली टॉप पर चल रहे हैं। किंग कोहली इस सीजन में 3 मैच में 181 विकेट चटका चुके हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, तीसरे नंबर पर पंजाब किंग्स के शिखर धवन, चौथे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के डेविड वॉर्नर और पांचवे नंबर पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन हैं। बता दें, आईपीएल 2024 में अभी तक कुल 9 बल्लेबाज 100 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

आईपीएल 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो चेन्नई सुपर किंग्स के मुस्तफिजुर रहमान को अभी तक कोई पछाड़ नहीं पाया है। आईपीएल 2024 की शुरुआत से ही उनके सिर पर्पल कैप सजी हुई है। अभी तक खेले तीन मुकाबलों में यह गेंदबाज 7 विकेट चटका चुका है। वहीं टॉप-5 में मोहित शर्मा, खलील अहमद, हर्षित राणा और मथीशा पथिराना जैसे गेंदबाज मौजूद हैं।

बांग्लादेश वर्सेस श्रीलंका

श्रीलंका ने तोड़ा भारत का 48 साल पुराना टेस्ट रिकॉर्ड, गावस्कर-विश्वनाथ की मेहनत पर फिरा पानी

चटगांव (बांग्लादेश), एजेंसी। सुनील गावस्कर (66), मोहिंदर अमरनाथ (70), गुंडप्पा विश्वनाथ (68), अशोक मांकड (50), सैयद किरमानी (64) और बिशन सिंह बेदी (50) के अर्धशतकों की मदद से भारत ने 1976 में कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 524/9घ्न का विशाल स्कोर खड़ा किया था। किसी बल्लेबाज के शतक लगाए बिना पूरी टीम का यह टेस्ट मैच की एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड था। अब 48 साल बाद श्रीलंका ने इसे चकनाचूर कर दिया है। बांग्लादेश दौरे पर दो टेस्ट मैच की सीरीज के आखिरी और निर्णायक टेस्ट के दूसरे दिन श्रीलंका ने अपनी पहली पारी 531 रन पर घोषित की।

श्रीलंका के छह बल्लेबाजों ने मैच में अर्धशतक जमाया, इसके जवाब में बांग्लादेश ने खबर लिखे जाने तक तीसरे दिन छह विकेट गंवाकर 131 रन बना लिए हैं। बांग्लादेश अभी पहली पारी के हिसाब से 395 रन से पीछे है। श्रीलंका के लिए कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं जड़ सका, लेकिन उन्होंने सुनिश्चित किया कि लगातार अंतराल पर विकेट नहीं गवाए। पहले टेस्ट में दो शतक जड़ने वाले कामिंडु मेंडिस 92 रन बनाकर नाबाद रहे क्योंकि 10वां विकेट रन आउट से गिरा। कुसल मेंडिस ने 93 रन, दिमुथ करूणारत्ने ने 86 रन, कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने 70 रन, दिनेश चांदीमल ने 59 रन और सलामी बल्लेबाज निशान मदुसंका ने 57 रन बनाए।

अशोक कुमार को लाइफटाइम अचीवमेंट सलीमा और हार्दिक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।

युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह और डिफेंडर सलीमा टेटे को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ट खिलाड़ी का हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया जबकि मेजर ध्यानचंद के नाम पर लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान उनके बेटे अशोक कुमार को मिला। पिछले साल एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीतने वाले हार्दिक ने पुरस्कार की दौड़ में पी आर श्रीजेश और हरमनप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ा। तोक्यो ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे 25 वर्ष के हार्दिक सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने पुरस्कार जीतने के बाद कहा, 'इतने महान खिलाड़ियों के साथ नामांकन पाना ही बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार से मुझे आगे और अच्छा खेलने की प्रेरणा मिलेगी।

वहीं झारखंड के सिमडेगा जिले की टेटे तोक्यो ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला टीम का हिस्सा थी। उन्होंने पुरस्कार की दौड़ में अपनी कप्तान और एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर का पुरस्कार जीतने वाली सविता पूनिया को पछाड़ा। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ

खिलाड़ी को पुरस्कार के तौर पर 25 लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र दिया गया।

यहां आयोजित हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कार समारोह में पी आर श्रीजेश को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार मिला। हरमनप्रीत ने इस मौके पर कहा, 'पुरस्कार और अच्छा खेलने की प्रेरणा देते हैं। टीम में इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढती है जो हॉकी के लिए अच्छा है।'

वहीं हार्दिक ने सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का पुरस्कार भी जीता और सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का पुरस्कार अभिषेक को मिला। सर्वश्रेष्ठ उदीयमान अंडर 21 खिलाड़ी का पुरस्कार महिला वर्ग में दीपिका सोरेंग और पुरुष वर्ग में अराइजीत सिंह हुंडल को मिला।

मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम पुरस्कार जीतने वाले उनके बेटे और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अशोक कुमार ने कहा, 'हमें सरदार बलबीर सिंह, उधम सिंह, कैप्टन रूप सिंह, केडी सिंह बाबू जैसे महान खिलाड़ियों की परंपरा को जारी रखते हुए इस बार पेरिस ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है।'

पूर्व पत्नी को कहा- धोखेबाज और ढोंगी

आदिल खान दुर्रानी ने राखी सावंत पर लगाया पैसे चुराने का आरोप

राखी सावंत और उनके पूर्व पति आदिल खान दुर्रानी के बीच कानूनी जंग जारी है। इस बीच अब आदिल ने राखी पर नया आरोप लगाया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में राखी सावंत के पूर्व पति आदिल खान दुर्रानी ने उन पर नए आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वे लोगों से पैसे चुराने में शामिल रही हैं। उन्होंने राखी को धोखेबाज और ढोंगी करार दिया। उन्होंने कहा कि राखी अपने खिलाफ दायर कई कानूनी मामलों के कारण परेशान हैं।

आदिल ने राखी पर एक के बाद एक कई आरोप लगाए। हाल ही में आदिल खान ने बिग बॉस 12 फेम सोमी खान से शादी की, जिसके बाद से राखी और उनके बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आदिल ने हाल ही में इस बारे में बात की कि कैसे राखी उनकी शादी की खबरों को अपना नहीं पा रही हैं। उन्होंने कहा कि राखी सावंत को लोगों के पैसे चुराने या लोगों को धोखा देने की आदत है। वे इस बात को पचा नहीं पा रही हैं कि मैं जीवन में आगे बढ़ गया हूं और एक खुशहाल जीवन जी रहा हूं। आदिल ने आगे आरोप लगाए कि राखी एक धोखेबाज और ढोंगी हैं।

वे जानबूझकर खबरों में बने रहने के लिए ये सब बेबुनियाद और बेकार बातें कर रही हैं। दरअसल, उसने यहां जितने भी अपराध किए हैं, उसकी वजह से उसे सभी मामलों में जमानत भी नहीं मिल रही है। मुझे लगता है कि वह अभी अपने दिमाग से बाहर है और बहुत निराश हो गई है।आदिल और राखी के बीच चल रहा विवाद बढ़ता जा रहा है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। राखी के हालिया दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए आदिल ने कहा कि सबूत के तौर पर पेश किए गए स्क्रीनशॉट और संदेश पुराने हैं, जो लगभग एक साल या उससे अधिक पुराने हैं।

गिन्नी ने खोले कपिल के राज

घर से बाहर वे क्या करते हैं इसकी गारंटी मैं नहीं ले सकती

कपिल शर्मा एक बेहतरीन कॉमेडियन होने के साथ-साथ एक अच्छे बेटे और शानदार पति के रूप में भी मशहूर हैं। वहीं द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दौरान कपिल की पत्नी गिन्नी ने कहा, कपिल जब घर पर रहते हैं तब वे बच्चों की देखभाल करते हैं। कपिल शर्मा इन दिनों अपने शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की वजह से चर्चा में बने हुए हैं।

कपिल अपने नए शो को नेटफ्लिक्स पर लेकर आए हैं। पिछले शनिवार को द ग्रेट इंडियन कपिल शो का पहला एपिसोड प्रसारित किया गया। दर्शकों को कपिल के यह शो काफी पसंद आ रहा है। कपिल के साथ इस शो में अर्चना पूरन सिंह, कृष्णा और सुनील ग्रोवर मस्ती भरे अंदाज में दिखाई दे रहे हैं।

वहीं शो के पिछले एपिसोड में अगर किसी ने सुर्खियां बटोरी है तो वे कपिल की पत्नी गिन्नी हैं। शो के बाद गिन्नी के कई क्लिप्स इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं।

कपिल हैं बेस्ट पिता

कपिल शर्मा एक बेहतरीन कॉमेडियन होने के साथ-साथ एक अच्छे बेटे और शानदार पति के रूप में भी मशहूर हैं। वहीं द ग्रेट इंडियन कपिल शो%के दौरान कपिल की पत्नी गिन्नी ने कहा, कपिल जब घर पर रहते हैं तब वे बच्चों की देखभाल करते हैं। वे बच्चों के साथ काफी समय बिताना पसंद करते हैं। इतना ही नहीं कपिल ने बच्चों के डायपर तक बदले हैं।

गिन्नी के साथ शरीफ हैं कपिल

गिन्नी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, जब भी कपिल मेरे साथ होते हैं वे कुछ भी ऐसा नहीं करते हैं जिससे मुझे शिकायत हो। वे एक बेहतरीन पति हैं। शो के अगले सेक्शन में अर्चना गिन्नी से सवाल करती हैं कि क्या कपिल घर के कामों में हाथ बटाते हैं।

इस सवाल का जवाब गिन्नी के बजाय कपिल ने दिया। कपिल कहते हैं, बेटी को तो मैंने ही पाला है क्योंकि गिन्नी तो दूसरे बच्चे को जन्म देने के बाद उसी में व्यस्त हो गई थीं।

बिना गिन्नी के कपिल करते हैं मस्ती!

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में रणबीर कपूर बतौर मेहमान बन कर आए थे। उन्होंने जब गिन्नी से पूछा कि शादी के बाद क्या कपिल सुधर गया है।

इस सवाल पर गन्नी हंसते हुए कहती हैं, मेरे साथ रहते हैं तब तो सुधरे हुए रहते हैं। हां, घर से निकलने के बाद ये क्या करते हैं इसकी मैं गारंटी नहीं दे सकती हूं।

गोविंदा की भांजी की शादी की तैयारी शुरू

'बिग बॉस' की एक्स कंटेस्टेंट आरती सिंह पिछले कुछ समय से अपनी वेडिंग को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरों की मानें तो बताया जा रहा है कि वो जल्द ही बॉयफ्रेंड दीपक चौहान के साथ फेरे लेने वाली हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक ना तो एक्ट्रेस की ओर से और ना ही उनकी फैमिली की तरफ से कोई बयान आया है।

आरती सिंह कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की बहन और एक्टर गोविंदा की भांजी हैं। इसी बीच उन्होंने अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसके बाद उनकी शादी की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है और माना जा रहा है कि उनके घर पर शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी है। दरअसल, आरती सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस के घर को फूलों से सजा दिया गया है। वहीं, उन्होंने लाल कलर की साड़ी पहनी हुई है और सजी-धजी बालकनी में पोज दे रही हैं। इसमें आरती सिंह का लुक देखते ही बन रहा है। अब इस फोटो को देखकर सोशल मीडिया पर फैंस कयास लगा रहे हैं कि वो जल्द ही दुल्हन बनने वाली हैं। लोग उन्हें खूब बधाइयां दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के रूप नगर इलाके में घुस आया है तेंदुआ, 5 को कर चुका जख्मी; पकड़ से अब भी बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रूप नगर इलाके में तेंदुआ घुसने से हड़कंप मच गया। तेंदुआ रिहायशी इलाके के एक मकान में घुस गया और 5 लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम पहुंची है। जगतपुर गांव के आदर्श नगर गली नंबर तीन में सुबह सवा छह बजे के लगभग तेंदुआ दिखने की सूचना मिली। वन विभाग और पुलिस मौके पर मौजूद है। तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। ऐसी सूचना है कि तेंदुआ किसी कमरे में बंद हो गया है। उसे अब पिंजरे में बंद करने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने बताया कि उन्हें सुबह करीब छह बजकर 20 मिनट पर घटना की जानकारी मिली जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियां दिल्ली में वजीराबाद के जगतपुर गांव भेजी गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, ''स्थानीय लोगों की मदद से अधिकारी तेंदुए को एक कमरे में बंद करने में सफल रहे। घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और वन विभाग को भी सूचना दे दी गई है।

लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे चीकू पर ईडी का ऐक्शन, 17.82 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क

नईदिल्ली, एजेंसी। ईडी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में लगातार ऐक्शन ले रही है। ईडी ने अब मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत गैंगस्टर सुरेंद्र सिंह उर्फ चीकू के परिवार के सदस्यों की 17.82 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया है। इसमें बैंक जमा, नकदी और जमीन कुर्क की गई है। ईडी ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। अचल संपत्तियां हरियाणा के नारनौल और राजस्थान के जयपुर में स्थित हैं। ईडी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चीकू अपने गिरोह के सदस्यों के माध्यम से लॉरेंस बिश्नोई के अपराध से अर्जित पैसों को ठिकाने लगा रहा था। वह अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के नाम पर संपत्ति अर्जित कर रहा था। मौजूदा वक्त में चीकू तिहाड़ जेल में बंद है। उसे इस मामले में फरवरी में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि निमावत ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से नारनौल में खनन कारोबार में चीकू की कथित अवैध संलिप्तता थी। सुरेंद्र सिंह चीकू ने अपने बहनोई विकास कुमार को इस कंपनी में निदेशक और शेयरधारक के रूप में पेश किया। इसे नारनौल में बखरीजा खदानों में खनन का पट्टा दिया गया था। एजेंसी ने दावा किया कि इस सौदे के जरिए सुरेंद्र सिंह चीकू और विकास कुमार ने बिना व्यावसायिक निवेश के 2.84 करोड़ रुपये की उगाही की। ईडी का धनशोधन का मामला अपहरण, हत्या और जबरन वसूली आदि के आरोपों पर चीकू और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ हरियाणा पुलिस को ओर से दर्ज कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

बदमाशों की अब खैर नहीं! 3 राज्यों की पुलिस ने गैंगस्टर्स की लिस्ट शेयर कर बनाया प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी।
आगामी लोकसभा चुनावों को शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस अब ऐक्शन में आ गई है। रविवार को गौतमबुद्धनगर, हरियाणा, दिल्ली ओर गाजियाबाद के पुलिस अधिकारियों के मध्य समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि तीनों राज्यों की पुलिस बदमाशों पर नजर रखेगी। इसके लिए बदमाशों की लिस्ट भी शेयर की गई। नोएडा सेक्टर-14 ए स्थित डीसीपी ऑफिस में आयोजित बैठक की अध्यक्षता नोएडा जोन के डीसीपी विद्यासागर मिश्रा ने की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने अपराधियों व चुनाव प्रभावित करने वाले तत्वों की सूची का आदान प्रदान किया गया। साथ ही अपराधियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के बारे में भी बताया गया। चुनाव को प्रभावित किए जाने वाली किसी भी प्रकार की सूचनाओं के तीव्र गति से आदान-प्रदान करने लिए चारों जगह की पुलिस का एक वॉट्सऐप ग्रुप भी बनाया गया। चुनाव के दौरान आसामाजिक तत्वों, अपराधियों के बॉर्डर से आवागमन न करने के लिए बार्डर पर प्रभावी चेकिंग कराए जाने के बारे में भी इस दौरान बताया गया। सभी राज्यों और जिलों की पुलिस ने इस बात पर बल दिया कि

चुनाव के दौरान सभी प्रवेश और निकासी द्वारा पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। वाहनों को चेकिंग के बाद ही आगे बढ़ने दिया जाए।

कुख्यात बदमाशों की लिस्ट साझा की

बैठक में हिस्सा लेने आए अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में वॉन्टेड और कुख्यात बदमाशों का डेटा भी एक-दूसरे से साझा किया। चिन्हित बदमाशों पर कड़ी नजर रखने और उनकी हर गतिविधि की जानकारी एक दूसरे से साझा करने पर भी राय बनी। बीते चुनाव में जिसने चुनाव के प्रभावित करने का प्रयास किया उन पर विशेष नजर रखने की बात कही गई। विद्यासागर मिश्रा, डीसीपी नोएडा चुनाव को लेकर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, फरीदाबाद और दिल्ली पुलिस की बैठक हुई। इसमें चुनाव को प्रभावित करने वाले तत्वों और सुरक्षा व्यवस्था समेत कई और अन्य पहलुओं पर लंबी वार्ता हुई।

पीएम मोदी 6 अप्रैल को गाजियाबाद में करेंगे रोड शो, भाजपा उम्मीदवार अतुल गर्ग के लिए मांगेंगे वोट

नईदिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अप्रैल को गाजियाबाद में भाजपा उम्मीदवार अतुल गर्ग के लिए रोड शो करेंगे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 3 अप्रैल को घंटाघर रामलीला मैदान में नामांकन सभा को संबोधित करेंगे। मेरठ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल जनसभा के बाद अब गाजियाबाद में उनका रोड शो होगा।

प्रधानमंत्री भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग के लिए जनता से वोट की अपील करेंगे। 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस भी है। महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री का रोड शो 6 अप्रैल को तय हो गया है। गाजियाबाद में कितने घंटे रहेंगे, उनका रोड शो कितने बजे कहां से कहां तक होगा, इसका रूट चार्ट अभी फाइनल नहीं है। इसे लेकर पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। इससे पहले अतुल गर्ग 3 अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले घंटाघर रामलीला मैदान में नामांकन सभा आयोजित होगी। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सतपाल महाराज, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया शामिल होंगे। 3 अप्रैल को सुबह 10 बजे रामलीला मैदान घंटाघर में इन नेताओं का संबोधन होगा। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी कुछ कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन पत्र दाखिल कराने के लिए जिला मुख्यालय रवाना होंगे।

अभी तक 16 उम्मीदवार खरीद चुके हैं नामांकन पत्र = गाजियाबाद लोकसभा सीट के लिए अभी तक 16 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदा है। एक मात्र निर्दलीय उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद सोमवार को पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौतमबुद्धनगर लोकसभा में चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए आ रहे हैं। यह लोकसभा क्षेत्र में पहला बड़ा चुनावी कार्यक्रम है, जिसमें लोकसभा की पांचों विधानसभा के 1500 प्रबुद्ध लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे। मुख्यमंत्री के चुनावी कार्यक्रम की तैयारी में जहां पूरा संगठन जुटा है, वहीं पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में मतदान होना है। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर पहला चुनावी कार्यक्रम आज आयोजित होगा। इसमें 15 सौ से अधिक प्रबुद्ध लोगों को मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे।

शराब नहीं देने पर सेल्समैन की गोली मारकर हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के न्यू हैबतपुर गांव स्थित शराब के ठेके के सेल्समैन की रात दो बजे करीब बाइक सवार तीन बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। शराब देने से मना करने पर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। गोली लगने से घायल सेल्समैन को अन्य सहयोगियों की मदद से नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फरार बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। हादसे की सूचना सुबह जैसे ही मिली डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए। 45 वर्षीय हरिओम न्यू हैबतपुर गांव स्थित शराब के ठेके पर लंबे समय से सेल्समैन की नौकरी करता था। ठेके के दो गेट हैं। एक सामने से और दूसरा पीछे अहाते की तरफ से खुलता है, जहां कुछ किरायेदार भी रहते हैं। सेल्समैन ठेके के अंदर ही सोता था। शनिवार रात दो बजे के करीब एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक आए और ठेके के पीछे वाला गेट तेजी से खटखटाने लगे। जब किसी ने गेट नहीं खोला तो बाइक सवार एक बदमाश ने हवाई फायरिंग कर दी।

टोल प्लाजा पर होने वाली टोल वृद्धि रोकी

नईदिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस वे के टोल प्लाजा पर टोल प्लाजा पर होने वाली टोल वृद्धि रोक दी गई है। 31 मार्च की रात्रि से सभी वाहनों पर टोल बढ़ना था। इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया था। रविवार देर रात एनएचएआई की तरफ से सभी जगह मौखिक सूचना दी गई कि अभी टोल में वृद्धि नहीं करनी है।

सूत्रों के मुताबिक चुनावों के चलते इसके लिए चुनाव आयोग से मंजूरी लेनी होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने आनन फानन में टोल वृद्धि रोक दी है। सोमवार को सभी टोल प्लाजा पर पुरानी दरों पर ही टोल लगाया गया। इससे वाहन चालकों को राहत रही और उन्हें बढ़ा हुआ टोल नहीं देना पड़ा।

एनएचआई से जुड़े अधिकारियों ने बताया था कि टोल दरों में पांच फीसदी तक वृद्धि होने वाली थी। हर एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे के हिसाब प्रस्तावित वृद्धि अलग-अलग थी। टोल टैक्स में इजाफा नहीं होने से दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-अंबाला, दिल्ली-रोहतक,

नेशनल हाईवे के साथ ही दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर हर दिन सफर करने वाले लाखों वाहन चालकों को राहत मिलेगी। एनएचआई ने कार, हल्के व्यावसायिक वाहनों समेत सभी श्रेणी के वाहनों के टोल टैक्स में इजाफा के प्रस्ताव तैयार किया था। इसके साथ ही मासिक पास भी 10 रुपए प्रति महीने के हिसाब से महंगा होने वाला था। एनएच पर स्थिति टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले लोगों को मासिक पास जारी किया जाता है। टोल टैक्स में इजाफे से अपने कामकाज के लिए आसपास के राज्यों से आवाजाही करने वाले लोगों को पर बोझ बढ़ने वाला था। हालांकि, यह राहत कब तक रहेगी यह अभी तय नहीं है।

निकाय चुनाव में एर्दोगन को लग सकता है झटका, मुख्य विपक्षी पार्टी ने बड़े शहरों में बनाई बढ़त

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये में नगर निकाय चुनाव में राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगान को झटका लगा है। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी जीत के करीब है। विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) ने प्रमुख शहरी क्षेत्रों पर बढ़त बनाई है। करीब 60 प्रतिशत मतपेटियों की गिनती के बाद, सीएचपी के निवर्तमान मेयर एक्रेम इमामोग्लू ने इस्तांबुल में पार्टी का नेतृत्व किया। वहीं, अंकारा के निवर्तमान मेयर मंसूर यावस ने भी काफी अंतर से जीत हासिल की। सीएचपी देश के 81 प्रांतो में से 36 में आगे चल रही है।

सीएचपी नेता ओजगुर ओजेल ने अपने समर्थकों से कहा कि जनता ने देश में एक नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने का फैसला किया है। जनता ने 22 साल पुरानी तस्वीर को बदलने और एक नए राजनीतिक माहौल का द्वार खोलने का फैसला किया है।

2019 में हुआ था स्थानीय चुनाव

एर्दोगन 2014 से तुर्की के राष्ट्रपति हैं। मई 2023 में हुए आम चुनाव में वह दोबारा जीतकर राष्ट्रपति बने। जीत के बाद दिए गए अपने भाषण में ही उन्होंने स्थानीय चुनावों का बिगुल बजा दिया था। हालांकि, साल 2019 में देश भर में हुआ पिछला स्थानीय चुनाव उनके लिए निराशाजनक रहा था। उनकी जस्टिस ऐंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी) देश के तीन सबसे बड़े शहरों- इस्तांबुल, अंकारा और इजमीर में हार गई थी। प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम इमामोग्लू से इस्तांबुल हारना एर्दोगन के लिए बड़ा झटका था। इसके बाद साल 2023 में हुए चुनाव में बहुमत हासिल करके राष्ट्रपति बनकर एक बार फिर अपने विपक्षियों पर पलटवार किया।

पाकिस्तान में बढ़ी आतंकी घटनाएं, साल की शुरुआत में ही हो गए 245 हमले; 400 से ज्यादा लोगों ने गंवाई जान

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान में बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर एक थिंक टैंक की रिपोर्ट सामने आई है। थिंक टैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2024 की पहली तिमाही के दौरान आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में 2024 की पहली तिमाही के दौरान आतंकवादी हमलों और आतंकवाद रोधी अभियानों की 245 घटनाएं हुईं, जिससे 432 लोगों की मौत हुई और 370 नागरिक व सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज द्वारा जारी सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में इस अवधि के दौरान 92 प्रतिशत अधिक मौतें हुईं और 86 प्रतिशत आतंकी हमले हुए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि पाकिस्तान के बचे क्षेत्र अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण थे। चौंकाने वाली बात यह है कि आतंकवादी संगठनों ने 2024 की पहली तिमाही में आतंक के कारण हुई कुल मौतों में से 20 प्रतिशत से

भी कम की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, इस दौरान जाभात अंसार अल-महदी खुरासान (छ्रस्ब्य) नाम का एक नया आतंकवादी संगठन भी उभरा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आतंकवाद के अलावा देश में सरकारी, राजनेताओं और निजी व सुरक्षा संपत्तियों को निशाना बनाने वाली 64 घटनाएं घटित हुई हैं। पहली तिमाही के दौरान बलूचिस्तान में हिंसा में 96 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा मौतों का आंकड़ा बढ़कर 178 तक पहुंच गया है।

पाकिस्तान में भारी बारिश का कहर, खैबर पख्तूनख्वा में 8 बच्चों सहित 10 लोगों की मौत; कई घर ढहे

खैबर पख्तूनख्वा , एजेंसी।
पाकिस्तान में आसमान से आफत बरस रही है। कई इलाकों में लगातार हुई बारिश से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने रविवार को कहा, पिछले दो दिनों में खैबर पख्तूनख्वा में बारिश से संबंधित घटनाओं में दस लोग मारे गए और बारह घायल हो गए।

पीडीएमए के प्रवक्ता अनवर शहजाद ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि मृतकों में आठ बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं जबकि घायलों में नौ बच्चे, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। शहजाद ने कहा कि शनिवार रात तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, केपी में बारिश और ओलावृष्टि से संबंधित घटनाओं में 27 घर क्षतिग्रस्त हो गए। द नेशन के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाकों में राहत अभियान जारी है।

कई इलाकों में ढह गए मकान : शनिवार रात 11:30 बजे पीडीएमए द्वारा जारी एक संक्षिप्त रिपोर्ट में कहा गया कि शांगला, बन्नू, बाजौर, पेशावर, नौशेरा और मनसेहरा में छत और घर गिरने की विभिन्न घटनाओं में हताहत हुए। सूबे में शुक्रवार से भारी बारिश हो रही है। द नेशन के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है, उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ मोहमंद, मर्दन, उत्तरी

वज़ीरिस्तान, स्वात और ऊपरी दीर में तीन घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि 24 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

बारिश से अबतक 19 मवेशियों की मौत: हरबन तहसील के अध्यक्ष असदुल्लाह कुरैशी मीडिया से बात करते हुए कहा कि बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ की घटनाओं में 19 मवेशियों की मौत हो गई, जबकि 15 मवेशियों के बाड़े बह गए।

पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों में डर का माहौल !

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हाल ही में हुए आत्मघाती हमले ने देश में काम कर रहे चीनी नागरिकों के आत्मविश्वास को हिला कर रख दिया है। पाकिस्तान के एक सुरक्षा विश्लेषक का कहना है कि रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि कुछ लोग सुरक्षा चिंताओं के कारण देश छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान की सरकार ने अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का बार-बार वादा किया है, लेकिन विश्लेषक ने कहा कि हालिया घटना ने विश्वास को जड़ से हिला दिया है। डॉन में पाकिस्तानी सुरक्षा विश्लेषक मुहम्मद अमीर राणा लिखते हैं, चीनी सोशल मीडिया में इस पर काफी चर्चा हो रही है। लोग पाकिस्तान में रह रहे चीन के नागरिकों के जीवन की रक्षा के लिए सख्त सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी घटना के बाद चीनी कंपनियों ने कम से कम तीन महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाओं पर काम बंद कर दिया है दासू बांध, डायमर-बाशा बांध और तारबेला 5वां एक्सटेंशन बांध। पाकिस्तान सुरक्षा विश्लेषक ने कहा कि क्षेत्र के कुछ निवासी शिनजियांग में उइघुर समुदाय के प्रति सहानुभूति रखते हैं, और कुछ लोग अपने देश में विदेशियों की मौजूदगी को नापसंद करते हैं। इलाके में चीनी नागरिकों के बारे में बहुत अच्छी धारणा नहीं है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।